आज का सुविचार
अच्छे विचारों पर यदि अमल न किया जाये तो वे अच्छे स्वप्नों से बढ़कर नहीं हैं।
- एमरसन

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-38 भोपाल, रविवार 19 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC पंचांग
मार्गशीर्ष शुक्ला
चतुर्दशी, रविवार 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:56/5:38
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	51 %
वायु (किमी/घं.)	13
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

ITDC स्वर्ण दर 24 कैरेट
प्रति 10 ग्राम/1तोला
₹ 50,240

गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने राजनीति में आने का किया ऐलान, संयुक्त संघर्ष पार्टी का नाम

चंडीगढ़। किसान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने संयुक्त संघर्ष पार्टी के नाम से पार्टी बनने का ऐलान कर दिया है। चंडीगढ़ में पार्टी की घोषणा करते हुए चढ़ूनी ने कहा कि राजनीति प्रदूषित हो गई है। पूंजीवाद को बढ़ावा देने वाले नीति निर्माताओं, पूंजीपतियों के पक्ष में नीतियां बनाई जा रही हैं। आम आदमी, गरीबों के लिए कुछ नहीं किया,इसकारण हम अपनी नई पार्टी लांच कर रहे हैं। चढ़ूनी किसान आंदोलन खत ?म होने के बाद सियासी जमीं पर हाथ आजमाएंगे। चढ़ूनी ने राजनीति में आने की घोषणा कर दी थी। हालांकि इस बात का खंडन भी लगातार करते रहे ।लेकिन शनिवार को उन्होंने चंडीगढ़ से अधिकारिक रूप से पार्टी का ऐलान कर दिया है। तीन कृषि कानूनों को रदद करने के बाद भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। चढ़ूनी ने कहा कि तानाशाही को खत्म करने के लिए राज बदलना होगा।

देश में कोरोना के मामले अभी भी 10 हजार से नीचे

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में स्थिरता दिख रही है। हर दिन मामले थोड़े बहुत ही ऊपर नीचे होते दिख रहे हैं। बीते कई दिनों से नए मामलों की संख्या 10 हजार से नीचे ही रही है ।साथ ही सक्रिय मामलों में भी लगातार कमी देखी जा रही है ।वहीं, नए वेरिएंट ओमिक्रोन के मामले मिलने के बाद फिर से लोगों में गंभीरता देखी जा सकती है। इस बीच भारत में कोविड-19 के ताजा आंकड़े केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए हैं। शानिवार को ताजा अपडेट के अनुसार, भारत ने पिछले 24 घंटे की अवधि में 7,145 नए कोरोना के मामले दर्ज किए ।साथ ही देश में कोविड-19 मामलों की कुल संख्या 3 करोड़ 47 लाख 33 हजार 194 हो गई है, जबकि सक्रिय केस घटकर 84,565 हो गए। सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 289 लोगों की कोरोना से मौत भी हुई है ।इसके साथ मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,77,158 हो गई है ।24 घंटों में सक्रिय मामलों में 1,850 मामलों की कमी दर्ज की गई है।

इस साल की आखिरी अंगारकी चतुर्थी, ऐसे करें पूजा और जानिए महत्व

हर महीने कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है और इस दिन गणेशजी की पूजा की जाती है और विधि विधान से भोग लगाया जाता है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी कल यानी 23 नवंबर को है। चूंकि यह चतुर्थी इस बार मंगलवार को पड़ रही है, इसलिए इस चतुर्थी को अंगारकी चतुर्थी कहा जाता है। इस दिन गणेशजी की पूजा के साथ-साथ हनुमानजी की पूजा करने से विशेष लाभ होता है और सिंदूर से तिलक करने से मंगलदोष दूर होते हैं। आइए आपको बताते हैं

इस तरह से करें पूजा

इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पहले उठें और स्नान के बाद लाल रंग के वस्त्र धारण करें। ऐसा करने से आपके मंगल ग्रह की स्थिति में मजबूती आती है। स्नान करने के बाद यदि आप व्रत करते हैं तो गणेशजी की पूजा करके व्रत करने का संकल्प लें। व्रत नहीं भी करते हैं तो भी विधि विधान से गणेशजी की पूजा करें। पूजा के वक्त आपका मुख पूर्व या उत्तर में होना चाहिए। पूजा से पहले गणेशजी की मूर्ति को अच्छी तरह से लाल रंग के फूलों से सजा लें। इसके बाद पूजा में तिल, गुड़, लड्डू और गेंदे के फूल रखें। अंगारकी चतुर्थी में गणेशजी और हनुमानजी के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा रखना भी बहुत शुभ माना जाता है। हनुमानजी की पूजा करें और उन्हें सिंदूर लगाएं। गणेशजी को भी रोली लगाएं और साथ ही फूल चढ़ाएं व जल छींटें।

गणेशजी का पूजा मंत्र

पूरे दिन व्रत करने के बाद शाम की पूजा से पहले फिर से स्नान करें और गणेशजी की पूजा करके उन्हें मोदक चढ़ाएं। व्रत करने के बाद इस दिन अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा दान जरूर करें। उसके बाद इस मंत्र का जप करें।

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

इसलिए कहा जाता है अंगारकी चतुर्थी

ऐसा माना जाता है कि अंगारक यानी मंगलदेव की कठिन तपस्या से प्रसन्न होकर गणपति ने उन्हें वरदान दिया था कि जिस दिन भी चतुर्थी तिथि मंगलवार को होगी उसे अंगारकी गणेश चतुर्थी कहा जाएगा। ऐसी मान्यता है कि इस दिन गणेशजी का पूजन और अर्चन पूर्ण विधि विधान के साथ करने से वे प्रसन्न होते हैं और उपवास रखने वाले की सभी कामनाओं को पूर्ण करते हैं। ऐसा भी कहा जाता है कि इस अंगारकी चतुर्थी वाले दिन व्रत रखने से उपासक को पूरे साल भर चतुर्थी का व्रत रखने के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है।

गंगा एक्सप्रेस वे का शिलान्यास कर मोदी ने दिया नया नारा-

UP+YOGI, बहुत है UPYOGI

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शाहजहांपुर.

पीएम मोदी ने शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस वे का शिलान्यास कर दिया है. गंगा एक्सप्रेस वे 12 जनपद मेरठ, हापुड़, बुलन्दशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ और प्रयागराज से होकर गुजरेगा. यह एक्सप्रेसवे 6 लेन का होगा जिसे बाद में बढ़कर 8 लेन तक किया जा सकेगा. इस एक्सप्रेसवे के लिए अब तक लगभग 94 फीसदी जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है. गंगा एक्सप्रेस वे को उत्तरप्रदेश का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे बताया जा रहा है. इसकी लंबाई 594 किलोमीटर होगी. गंगा एक्सप्रेस वे मेरठ से प्रयागराज तक यूपी के 12 जिलों से होकर गुजरेगा. ये एक्सप्रेस-वे यूपी के पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र को आपस में जोड़ेगा. यह एक्सप्रेसवे मेरठ-बुलन्दशहर मार्ग (ह्व॥-334) पर मेरठ के बिजौली ग्राम से शुरू होकर प्रयागराज बाइपास (ह्व॥-19) पर जुडापुर दांदू ग्राम के पास समाप्त होगा. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज माफिया पर बुलडोजर चलता है, बुलडोजर तो गैर-कानूनी इमारत पर चलता है, लेकिन दर्द उसे पालने-पोसने वाले को होता है.इसीलिए आज यूपी की जनता कह रही है- %क्क+ ड्ड्ढ्ढह्लद्ध% बहुत है क्कड्ढ्ढह्लद्ध. उन्होंने कहा कि मेरठ में एक बाजार है सोतीगंज देश मे कहीं गाड़ी चोरी हो तो वहीं कटती थी, योगी जी ने उसपर भी बुलडोजर चलवा दिया. उन्होंने कहा कि जिनको माफिया का साथ पसंद है वो उनकी भाषा बोलेंगे लेकिन हम तो देश की भाषा बोलेंगे. सीएम ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा पर आए दिन सवाल उठते रहते थे, उनका स्कूल कॉलेज जाना तक मुश्किल कर दिया था. कब कहां दंगा और आगजनी हो जाये कोई नहीं कह सकता था. लेकिन बीते साढ़े 4 साल में योगी जी की सरकार ने स्थिति को सुधारने के लिए बहुत परिश्रम किया है.

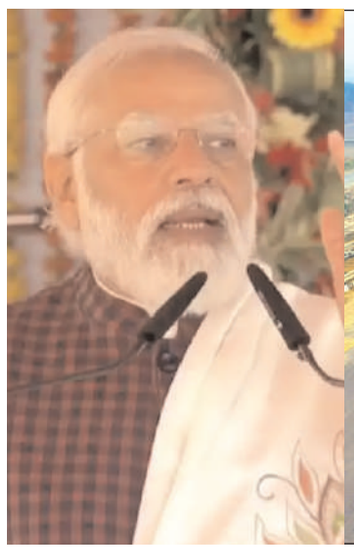

कुछ लोगों को देश की विरासत से दिक्कत- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे यहां कुछ राजनीतिक दल ऐसे रहे हैं जिन्हें देश की विरासत से भी दिक्कत है और देश के विकास से भी. देश की विरासत से दिक्कत क्योंकि इन्हें अपने वोटबैंक की चिंता ज्यादा सताती है. देश के विकास से दिक्कत क्योंकि गरीब की, सामान्य मानवी की इन पर निर्भरता दिनों-दिन कम हो रही है. इन लोगों को गंगा जी के सफाई अभियान से दिक्कत है. यही लोग हैं जो आतंक के आकाओं के खिलाफ सेना की कार्रवाई पर सवाल उठाते हैं. यही लोग हैं जो भारतीय वैज्ञानिकों की बनाई मेड इन इंडिया कोरोना वैक्सीन को कठघरे में खड़ा कर देते हैं. इन लोगों को काशी में बाबा विश्वनाथ का भव्य धाम बनने से दिक्कत है. इन लोगों को अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से दिक्कत है. योगी जी के नेतृत्व में यहां सरकार बनने से पहले, पश्चिम यूपी में कानून-व्यवस्था की क्या स्थिति थी, इससे आप भलीभांति परिचित हैं. पहले यहां क्या कहते थे? दीया बरे तो घर लौट आओ! क्योंकि सूरज डूबता था, तो कट्टा लहराने वाले सड़कों पर आ धमकते थे.

किसानों का पैसा उनके खाते में जाता है: मोदी

मोदी ने कहा कि जब पूरा यूपी एक साथ बढ़ता है तो देश आगे बढ़ता है. इसलिए डबल इंजन की सरकार का फोकस यूपी के विकास पर है. सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ हम यूपी के विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पहले तो किसानों को बैंकों के दरवाजे पर एंट्री ही नहीं मिलती थी. लेकिन अब किसानों की कीमत स्र्स्क पर खरीदी जाती है और इसका पैसा सीधे उनके खाते में जाता है. मोदी ने कहा कि जो भी समाज में पीछे है, पिछड़ा हुआ है, उसे सशक्त करना, विकास का लाभ उस तक पहुंचाना, हमारी सरकार की प्राथमिकता है।

भोपाल से दिल्ली जाने वाली उड़ान में अचानक आई खराबी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की उड़ान में शुक्रवार देर रात को अचानक खराबी आ गई। इस वजह से उडान को रोकना पडा। इस वजह से राजा भोज एयरपोर्ट पर देर रात तक यात्री परेशान हुए। विमान टेकऑफ के समय गड़बड़ी पकड़ में आई और उसे रनवे से ही वापस लौटा लिया गया। खराबी ठीक करने के लिए यात्रियों को विमान से नीचे उतार दिया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद उड़ान ठीक हो सकी। इसके बाद उसे भोपाल से वापस दिल ?ली के रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार दिल्ली से भोपाल आने के बाद विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई, इस कारण यात्रियों को उतारना पड़ा। भोपाल से दिल्ली जा रहे यात्रियों को इंतजार करने को कहा गया। एयर इंडिया की रात की मुंबई उड़ान में भी तकनीकी खराबी आ गई। बताया जाता है कि विमान के इंजन से तेज आवाज आ रही थी। इस उड़ान की खराबी को रात्रि 11 बजे ठीक कर दिया गया। खराबी ठीक होने के बाद यह उड़ान 102 यात्रियों को लेकर भोपाल से मुंबई के लिए रवाना हुई। दोनों उड़ानें राजा भोज एयरपोर्ट से करीब दो घंटे विलंब से रवाना हो सकीं।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

मप्र विधानसभा का शीतकालीन सत्र होगा हंगामेदार

सरकार को महंगाई, खाद की कमी और कानून व्यवस्था पर घेरेगा विपक्ष

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र हंगामेदार होगा। राज्य सरकार को ?विपक्ष कांग्रेस महंगाई, खाद की कमी और कानून व्यवस्था के मुददे पर घेरने की तैयारी कर रहा है। राज्य ?विधानसभा का शीतकालीन सत्र बीस दिसंबर से प्रारंभ होने वाला है। इसके लिए सदस्यों ने ध्यानाकर्षण और शून्यकाल की सूचनाएं दी हैं। वहीं, भ्रष्टाचार और जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रम से जुड़े कई प्रश्न भी पूछे गए हैं। रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के श्यामला हिल्स स्थित आवास पर कांग्रेस विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है, जिसे सदस्यों को अलग-अलग मुद्दे उठाने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा विधायक दल की बैठक भी रविवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित की गई है, जिसमें सत्र को लेकर कार्ययोजना बनाई जाएगी। कांग्रेस विधायक दल के मुख्य सचेतक डा.गोविंद सिंह और पूर्व मंत्री तरुण भनोत का कहना है कि सरकार न तो किसानों को खाद दे पा रही है और न ही बिजली। गांवों में अघोषित बिजली की कटौती हो रही है। खाद लेने के लिए किसान दुकानों के बाहर लाइन लगाकर बैठे हुए हैं। पुलिस लाठीचार्ज कर रही है। जबकि, सरकार दावा कर रही है कि पर्याप्त मात्रा में खाद है। इसका जवाब सदन में लिया जाएगा। वहीं, कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर है। आदिवासियों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। राष्ट्रीय क्राइम रिकार्ड ब्यूरो की रिपोर्ट सबके सामने है। भाजपा सरकार प्रति वर्ष एक लाख रोजगार देने का दावा कर रही है पर प्रदेश में तीस लाख से ज्यादा पंजीकृत बेरोजगार हैं। पढ़ने-लिखने के बाद प्रदेश में नौजवानों को काम नहीं मिल रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के नाम पर आदिवासियों को गुमराह करने का काम किया है।

आईटीडीसी
Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/ बेचना

बेचना है कर्मशियल परमिशन स्पेस 2400 पर 8500 वर्गफुट बना, राजीव गाँधी नगर , अयोध्या बाइपास रोड भोपाल , पार्क फेसिंग हॉस्पिटल/ गेस्टहाउस हेतु उपयुक्त 6264244558,8269287852

प्लाट मात्र 10,9000 हजार में 600 वर्गफीट अति शीघ्र बेचना है नीलबड की प्राइम लोकेशन पर रोड बिजली पानी तुरंत घर बनाए I 8319937948, 7999291701

For Sale 1800 Sqft Plot @ Crystal Smart City & 3BHK Flat 1800 sqft @ Rudraksh Phase-1, Bawadiyakalan. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. 32, Zone-1, M.P. Nagar ,- 7000122016, 9425666664

नए भोपाल की प्राइम लोकेशन बावड़िया कला, मिसरोद, गुलमोहर, शाहपुरा, होशंगाबाद रोड, दानिश नगर, कोलार में प्रोपटी खरीदने/ बेचने हेतु संपर्क करे सुपर प्रोपटी -8871551117

बेचना है कोलार मेंन रोड जानकी अपार्टमेंट कवर्ड केंपस में फर्स्ट फ्लोर पर बड़ा फ्लेट 3 बैडरूम, एक हाल, दो बालकनी, दो लेटबाथ, पार्किंग, संपर्क- 7974670574

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

ITDC प्रॉपर्टी/ रेन्ट पर

37 वैशाली नगर कोटरा भोपाल का प्रथम तल, तीन कमरे, हॉल किराये से देना है किराया 14000 शर्मा लॉ चेंबर पुरानी विधानसभा संपर्क – 7000035422

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 B H K फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sqft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

ITDC आवश्यकता

कोचिंग आवश्यकता: COUNESLERS, टेलीकॉलर FRESHERS, कंप्यूटर ऑपरेटर, SOCIAL MEDIA, मार्केटिंग मैनेजर, FACULTIES: गणित, ENGLISH, फिजिक्स, GS, केमिस्ट्री, PD, फिजिकल ट्रेनर, प्राइमरी, मिडिल TEACHERS: 799993477, 9826910161,

Urgently required field/ sales executive (Male/ Female) for Ecommerce shop registration work Walkin – TVS Tower, Near Jalsa Hotel, Mp nagar Zone -2, Bhopal. 7869917700, 7509888155

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. call or what's app at 8850388123

NETBOON Pvt Ltd leading E-commerce Organization in Jawahar Chowk Bhopal urgent hiring for Photoshop Editors-3, Web Content Writers-5, Online Sales telecalling Executives-5, must be fluent in English, Contact HR Dept- 9755065290, 9893014112

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

VACANCIES

खबर की खबर

ऑनलाइन क्लास और बच्चों पर उसका प्रभाव

योगेश कुमार सोनीकुछ लोगों को ऑनलाइन क्लास के लिए बच्चों को मोबाइल फोन देना भारी पड़ रहा है। परिवार व बच्चों को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं। कुछ बच्चे तो क्लास के चलते व उसके बाद मोबाइल फोन में अश्लील चीजें देखने के आदी हो गए। खेल के मैदानों से बच्चों की बढ़ती दूरी और हर समय इंटरनेट तक उनकी पहुंच ने इस स्थिति को बिगाड़ कर रख दिया है।

कोरोना की वजह से पूरी दुनिया बदल गई। लोगों की कार्यशैली और जीवनशैली पहले से बहुत अलग होने लगी। खासतौर से बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ा है। कोरोना संकट से शिक्षा के ढंग-ढर्रे में बदलाव आया। बच्चे इसकी आड़ में अश्लील चीजें देखने लगे जो इंटरनेट पर आसानी से उपलब्ध है। बच्चों ने हर सोशल माध्यम पर अपना अकाउंट बना लिया। इन सोशल साइट्स में भी नये-नये बदलावों ने बच्चों की रुचि और उनके मनोभावों को बदल दिया है, जो चिंताजनक है। मसलन, फेसबुक पर कुछ महीनों पहले से ऊपर वाले हिस्से पर विंडो बनी होती है, जिस पर वीडियो का भी नया ऑप्शन जुड़ा है। उसका नोटिफिकेशन भी आता है। इसमें दूसरी क्लिपिंग्स के साथ अश्लील किस्म के वीडियो भी आने लगी है। इन वीडियो को जब तक देख नहीं लिया जाता है तब तक नोटिफिकेशन नहीं हटता।

दुनिया बदली तो लोगों की सोच बदली। बेहद छोटी उम्र में बच्चों के पास पर्सनल मोबाइल रहने लगा। माता- पिता सोचते हैं कि बच्चे स्कूल का होमवर्क कर रहे हैं। अब लगभग हर स्कूल के होमवर्क स्कूलों की वेबसाइट या दूसरे माध्यमों पर आने लगे। इसलिए माता-पिता बच्चों को ज्यादा रोकते-टोकते नहीं। न उनपर लगातार निगरानी रखना संभव है। नतीजतन, ज्यादातर बच्चे पढ़ाई की आड़ में सोशल साइट्स पर लगे रहते हैं। जब बच्चे गलत वीडियो देखते हैं तो निश्चित तौर पर उनका मन भी विचलित होगा। अधिकतर देखा जाता है कि यह सब देखने के बाद बच्चे अपने माता-पिता या घर के अन्य सदस्यों से उन जिज्ञासाओं के बारे में न पूछकर बाहर वालों से पूछते हैं। इस कारण ऐसे बच्चों के साथ गलत होने का खतरा बढ़ जाता है। जो बच्चे अपने माता-पिता से पूछ लेते हैं, वे उन्हें डांटकर या किसी और तरीके से समझा लेते हैं।

बच्चे मना करने वाली चीजों के ज्यादा करीब जाते हैं। कम उम्र में गलत आदतें बच्चों को जीवन की अच्छी धारणाओं से भटका देती हैं। जब तक माता-पिता को पता चलता है, तब तक उस बच्चे व उसके परिवार की जिंदगी खराब हो चुकी होती है। ऐसे तमाम उदाहरण रोजाना देखने को मिल रहे हैं।

आज के हाईटेक चोर भी अब लोगों के घर जाने से पहले सोशल साइड्र के जरिये परिवार की दिनचर्या व जीवनशैली जान लेते हैं।

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

ऐक्टिव लार्जकैप फंडों का प्रदर्शन बीएसई सेंसेक्स से बेहतर

मुंबई। सक्रियता से प्रबंधित लार्जकैप फंडों ने पिछले एक साल में पैसिव फंडों के मुकाबले बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। लार्जकैप फंडों ने पिछले एक साल में औसतन 28.27 फीसदी रिटर्न दिया है जबकि एसऐंडपी बीएसई सेंसेक्स का रिटर्न 22.17 फीसदी रहा है। बाजार के प्रतिभागियों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में भारतीय इक्विटी में आई व्यापक तेजी मोटे तौर पर इस उम्दा प्रदर्शन की वजह है। कई ऐक्टिव लार्जकैप फंडों ने पिछले एक साल में करीब 35 से 45 फीसदी तक का रिटर्न देने में कामयाबी पाई है। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। यूनियन एएमसी के सीईओ जी. प्रदीपकुमार ने कहा, ऐक्टिव फंडों का कमजोर प्रदर्शन अल्पावधि का रुझान था। जब भी संकेंद्रित तेजी आती है, कुछ शेयर व क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन पिछले कुछ महीनों से पूरे बाजार में तेजी देखने को मिली है, जिससे फंड मैनेजरों को काफी मदद मिली है। साल 2017 से 2019 के बीच कई लार्जकैप फंडों ने बाजार के मुकाबले कमजोर प्रदर्शन किया था क्योंकि बाजार की तेजी संकेंद्रित थी, जिससे निवेशक पैसिव फंडों की ओर चले गए। ऐक्टिव फंडों की बात करें तो क्वांट फोकस फंड ने 45.82 फीसदी रिटर्न दिया है जबकि इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड व टाटा लार्जकैप फंड ने एक साल में क्रमशः 37.66 फीसदी व 36.31 फीसदी रिटर्न दिया है। ये रिटर्न डायरेक्ट प्लान के हैं। महिंद्रा मनुलाइफ एमएफ के मुख्य निवेश अधिकारी (इक्विटी) कृष्णा सांघवी ने कहा, जब अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है तो कई क्षेत्र बेहतर प्रदर्शन करते हैं। अर्थव्यवस्था में होने वाली बढ़त का असर सामान्य तौर पर इक्विटी बाजार में व्यापक तेजी के तौर पर देखने को मिलती है। जब तक भारत की नॉमिनल जीडीपी 10 से 12 फीसदी के दायरे में बढ़ती रहेगी, इसकी ज्यादा संभावना है कि ऐक्विव फंडों का बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा। ऐक्टिव लार्जकैप फंडों से अलग पैसिव फंडों मसलन भारत 22 एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (जो वैल्यू 20 इंडेक्स को ट्रैक करता है) और इक्वल निफ्टी फंडों ने सेंसेक्स के मुकाबबले बेहतर प्रदर्शन किया है। बाजार के भागीदारों ने कहा कि ये प्रवृत्तियां बताती है कि विभिन्न क्षेत्रों के लार्जकैप शेयरों व वैल्यू स्टॉक भी पिछले कुछ महीनों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले एक साल में सेंसेक्स के अलावा मिडकैप इंडेक्स व स्मॉलकैप इंडेक्स ने क्रमशः 37.20 फीसदी व 59.39 फीसदी रिटर्न दिया है। सांघवी ने कहा, अभी लार्जकैप काफी आकर्षक दिख रहा है क्योंकि मिड व स्मॉलकैप शेयरों का रिटर्न पिछले 18 महीनों में काफी ऊंचा रहा है, ऐसे में इनका मूल्यांकन काफी महंगा दिख रहा है। उन्होंने कहा, विदेशी निवेशकों की तरफ से लगातार हो रही बिकवाली लार्जकैप के लिए चुनौतीपूर्ण है।

फेसबुक यूजर्स सावधान : मेटा ने जासूसी करने वाली 7 कंपनियों को किया ब्लॉक, 100 देशों में हैं एक्टिव

फेसबुक यूजर्स सावधान!:मेटा ने जासूसी करने वाली 7 कंपनियों को किया ब्लॉक, 100 देशों में हैं एक्टिव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अगर आप फेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम यूजर्स हैं, तो जरा सतर्क हो जाइए क्योंकि मेटा ने भारत समेत दुनियाभर में करीब 7 ऐसी कंपनियों को ब्लॉक किया है, जो यूजर्स की ऑनलाइन एक्टविटी को ट्रैक करती थी। इन जासूसी करने वाली कंपनियों में 1 इंडियन कंपनी भी शामिल है। यह कंपनियां 100 देशों में अपने पॉलिटिकल लीडर, इलेक्शन

ऑफिसर्स, ह्यूमन राइट्स और पॉपुलर सेलिब्रिटी को टारगेट कर रही थीं। यह कंपनियां जासूसी का प्रोफेशनल रूप से काम करती थी। यानी क्लाइंट से पैसे लेकर टारगेट पर्सन की जासूसी करती थीं। इसीलिए इनका नाम सर्विलांस-फॉर-हायर वाली कंपनी दिया गया। यह कंपनियां इंटरनेट पर लोगों की खुफिया जानकारी जुटाने, फैक्ट को तोड़-मरोड़ कर पेश करने और उनके डिवाइस और अकाउंट में सेंधमारी करने में माहिर हैं। सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी मेटा (फेसबुक) इसे लेकर 100 से ज्यादा देशों के करीब 50 हजार लोगों को अलर्ट भेजा है। फेसबुक के मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने हैकिंग और अकाउंट्स का गलत तरीके से इस्तेमाल करने के लिए आधा दर्जन प्राइवेट कंपनियों को मॉनिटरिंग के लिए सर्विलांस पर रखा है। जासूसी फर्मों के साथ कंपनी की लड़ाई अमेरिकी टेक कंपनियों, अमेरिकी सांसदों और राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार द्वारा डिजिटल जासूस सर्विस को सपोर्ट करने वालों के खिलाफ यह एक बड़ा कदम है, खास तौर से इजराइली स्पाईवेयर कंपनी ह्स्ह्र ग्रुप, जिसे इस महीने की शुरुआत में ब्लैकलिस्ट किया गया था। मेटा पहले से ही अमेरिकी अदालत में ह्स्ह्र पर मुकदमा कर रही है। मेटा की रिपोर्ट में कहा गया है कि वह लगभग 1,500 अकाउंट को ब्लॉक कर रहा। इसमें ज्यादातर फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप पर 7 आर्गनाइजेशन पर चल रहे फेक अकाउंट्स हैं। मेटा ने कहा कि इन कंपनियों ने 100 से ज्यादा देशों में लोगों को टारगेट किया है। मेटा के प्राइवेसी पॉलिसी के प्रमुख नथानिएल ग्लीचर ने रॉयटर्स को बताया कि पैसे लेकर काम करने वाली कंपनियों का गिरोह किसी एक प्लेटफॉर्म तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका दायरा बहुत बड़ा है।

ब्लॉक की गई कंपनियों में एक भारत की

बेलट्रॉक्स - भारत
साइट्रोक्स - उत्तर मैसेडोनिया
कोबवेब्स टेक्नोलॉजीज
कॉगनिट
ब्लैक क्यूब
ब्लूहॉक सीआई
अननोन कंपनी - चीन

फोन रिचार्ज कराने वाले ध्यान दें

मंथली रिचार्ज से बहुत सस्ता है ईयरली प्लान, डेली 2जीबी डेटा वाले प्लान पर 1008 रुपए की होगी बचत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मोबाइल का मंथली रिचार्ज अब पहले से महंगा हो चुका है। मिनिमम 50 से 100 रुपए तक ज्यादा खर्च करने पड़ रहे हैं। आपको कितने इंटरनेट डेटा की जरूरत होती है, खर्च इस बात से भी जुड़ा है। सालाना प्लान तो 600 रुपए तक महंगे हो चुके हैं। इसके बाद भी मंथली प्लान की तुलना में ईयरली प्लान सस्ता पड़ता है। इस खबर में हम आपको डेटा रिचार्ज के खर्च से जुड़ा पूरा गणित समझाएंगे। साथ ही, ईयरली प्लान में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया की तुलना में कौन सबसे सस्ता है, इसे भी जानेंगे।

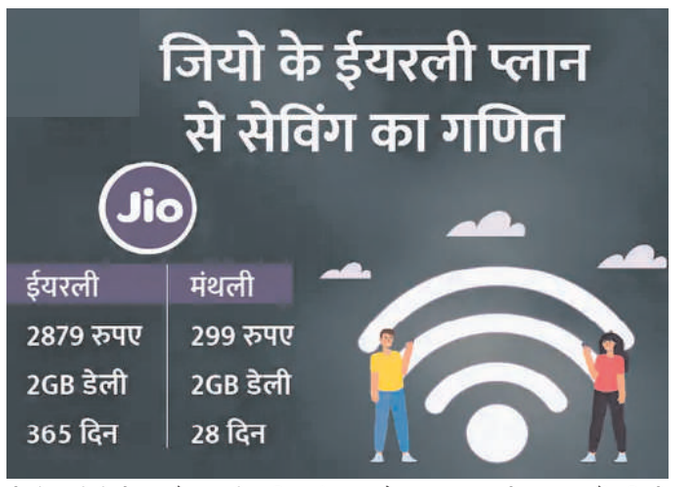

रिलायंस जियो का ईयरली प्लान

सबसे पहले रिलायंस जियो की बात करते हैं। जियो देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है। उसके पास 44 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। यहां पर हमने जियो का 2879 रुपए वाला ईयरली प्लान लिया है। इस प्लान में डेली 2जीबी डेटा मिलता है। इसकी वैलिडिटी 365 दिन है। प्लान में दूसरी सुविधाएं जैसे अनलिमिटेड स्स्र, अनलिमिटेड कॉलिंग भी मिलती हैं। अब इसकी तुलना जियो के 299 रुपए वाले प्लान से करते हैं। इस प्लान में डेली 2जीबी डेटा और दूसरी सुविधाएं मिलती हैं। जियो के 2879 रुपए वाले सुपर वैल्यू ईयरली प्लान का डेली खर्च 7.89 रुपए है। वहीं, 299 रुपए वाले मंथली प्लान का डेली खर्च 10.68 रुपए है। यदि कोई यूजर 299 रुपए वाला प्लान यूज कर रहा है तब उसे सालभर में 13 रिचार्ज कराने होंगे। इस हिसाब से उसका खर्च 3887 रुपए होगा। यानी ईयरली प्लान की तुलना में ये 1008 रुपए ज्यादा खर्च करने होंगे।

भारती एयरटेल का ईयरली प्लान

भारती एयरटेल देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है। देशभर में उसके पास 35 करोड़ यूजर हैं। जियो की तरह हमने एयरटेल का भी ईयरली प्लान लिया है। इसके इस प्लान की कीमत 2999 रुपए है। इसमें 365 दिन की वैलिडिटी के साथ डेली 2जीबी डेटा मिलता है। प्लान में अनलिमिटेड स्स्र, अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधाएं भी मिलती हैं। अब इसकी तुलना एयरटेल के 359 रुपए वाले प्लान से करते हैं। इस प्लान में डेली 2जीबी डेटा और दूसरी सुविधाएं मिलती हैं। जियो के 2999 रुपए वाले ईयरली प्लान का डेली खर्च 8.22 रुपए है। वहीं, 359 रुपए वाले मंथली प्लान का डेली खर्च 12.83 रुपए है। यदि कोई यूजर 359 रुपए वाला प्लान यूज कर रहा है तब उसे सालभर में 13 रिचार्ज कराने होंगे। इस हिसाब से उसका खर्च 4667 रुपए होगा। यानी ईयरली प्लान की तुलना में ये 1668 रुपए ज्यादा खर्च करने होंगे।

वोडाफोन आइडिया ईयरली प्लान

Vi, यानी वोडाफोन आइडिया के पास देशभर में 27 करोड़ यूजर हैं। हालांकि, Vi के पास जियो और एयरटेल की तरह डेली 2जीबी डेटा वाला ईयरली प्लान नहीं है। ऐसे में हमने डेली 1.5जीबी डेटा वाला ईयरली प्लान लिया है। इस प्लान की कीमत 3099 रुपए है। इसमें 365 दिन की वैलिडिटी के साथ डेली 1.5जीबी डेटा मिलता है। प्लान में अनलिमिटेड SMS, अनलिमिटेड कॉलिंग की सुविधाएं भी मिलती हैं। अब इसकी तुलना Vi के 299 रुपए वाले प्लान से करते हैं। इस प्लान में डेली 1.5जीबी डेटा और दूसरी सुविधाएं मिलती हैं। वोडाफोन आइडिया के 3099 रुपए वाले ईयरली प्लान का डेली खर्च 8.50 रुपए है। वहीं, 299 रुपए वाले मंथली प्लान का डेली खर्च 10.68 रुपए है। यदि कोई यूजर 299 रुपए वाला प्लान यूज कर रहा है तब उसे सालभर में 13 रिचार्ज कराने होंगे।

5 साल में 21 गुना बढ़े बैंक ग्राहकों के साथ होने वाले साइबर फ्रॉड, प्राइवेट बैंकों में ज्यादा मामले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हाल के वर्षों के दौरान देश के बैंकों में डिजिटल ट्रांजेक्शन बढ़ा है, लेकिन साइबर फ्रॉड के मामले भी काफी तेजी से बढ़े हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, देश में सिटिजन साइबर फाइनेंशियल फ्रॉड (\) के मामले बीते 5 वर्षों में 21 गुना से भी ज्यादा बढ़ गए हैं। रकम के मामले में इस तरह के फ्रॉड करीब 300त्न बढ़े हैं। 2020-21 में कार्ड/इंटरनेट धोखाधड़ी के 69,410 मामले वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान जहां बैंकों ने कार्ड/इंटरनेट धोखाधड़ी, यानी ATM, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए ग्राहकों के साथ होने वाली धोखाधड़ी के 3223 मामले दर्ज किए थे, वहीं वित्त वर्ष 2020-21 में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 69,410 हो गई। रकम के लिहाज से देखें तो जहां 2016-17 में कुल 45.56 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी दर्ज की गई थी, वहीं 2020-21 में यह बढ़कर 200 करोड़ रुपए से भी अधिक हो गई। खास बात यह है कि बैंक ग्राहकों के साथ साइबर फ्रॉड की अधिकतर शिकायतें प्राइवेट बैंकों से जुड़ी हैं। सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में बैंक ग्राहकों के साथ साइबर फ्रॉड के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में दर्ज किए गए हैं। 2016-17 के दौरान महाराष्ट्र में ग्राहकों के साथ कार्ड/इंटरनेट से जुड़े बैंकिंग फ्रॉड के 1,075 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2,020-21 में बढ़कर 26,522 हो गए।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में आएगा सुधार:वेंचर कैपिटल रिप्रजेंटेटिव्स से पीएम ने मांगे सुझाव, पूछा- देश में ज्यादा कैपिटल कैसे आएगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फंड के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। इस दौरान पीएम ने भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार के लिए सुझाव मांगे, ताकि देश में ज्यादा कैपिटल को अट्रैक्ट किया जा सके। इस दौरान वेंचर कैपिटल और प्राइवेट इक्विटी फंड के रिप्रजेंटेटिव्स ने देश में निवेश का माहौल बनाने के लिए पीएम मोदी के नेतृत्व की तारीफ की। देश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री को स्टार्टअप प्राइम मिनिस्टर भी कहा। पीएम मोदी ने प्रतिनिधियों के दिए प्रैक्टिककल सजेशन्स पर काम करने की बात भी कही।

शाइनिंग इनोवेशन हब के तौर पर खड़ा होगा भारत

जनरल अटलांटिक मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप नाइक ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने मीटिंग में दिए सुझावों को ध्यान से सुना। उन्होंने कहा, स्टार्टअप इंडिया की वजह से देश में जो माहौल तैयार हुआ है, उससे भारत में ग्लोबल इंवेस्टमेंट बढ़ेगा। हमें उम्मीद है कि दुनिया की सबसे बेहतरीन कंपनियां भारत में आएंगी और इंवेस्ट करेंगी और भारत आने वाले दिनों में दुनिया में शाइनिंग इनोवेशन हब के तौर पर खड़ा होगा। HDFC कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड के MD एवं CEO विपुल रूंगटा ने हाउसिंग सेक्टर में खास तौर अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट में सरकार के कदमों की तारीफ की। उन्होंने पीएम मोदी की अफोर्डेबल हाउसिंग को लेकर सोच को बेहतरीन बताया। उन्होंने बताया कि छोटे शहरों से बड़े शहरों में आने वाले वर्कर्स और लोगों के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग सेगमेंट में सरकार क्या कर सकती है।

देश में तेजी से बढ़ रहा स्टार्टअप मूवमेंट

सिकोइया कैपिटल के MD राजन आनंदन ने कहा, 10 साल पहले भारत में एक भी यूनिकॉर्न स्टार्टअप नहीं था। जबकि 2021 खत्म होते देश में 70 से ज्यादा यूनिकॉर्न खड़े हो गए हैं। स्टार्टअप्स में फंडिंग काफी ज्यादा बढ़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टार्टअप का जो मूवमेंट शुरू किया था, वो साल दर साल लगातार मजबूती के साथ आगे बढ़ रहा है।

शादी की उम्र विश्व-गुरु भारत

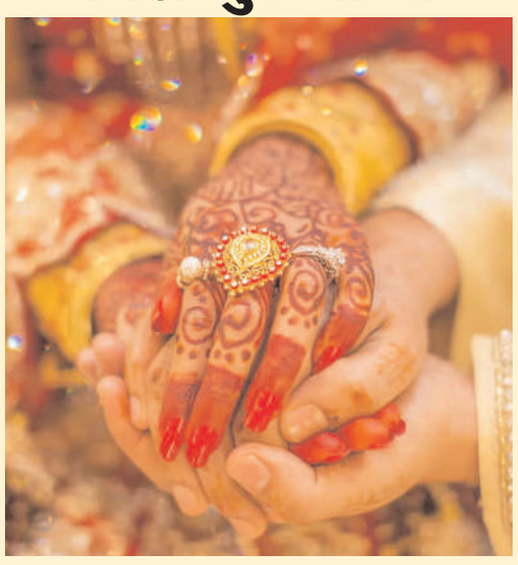

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तय किया है कि लड़कियों की शादी की उम्र को 18 साल से बढ़ाकर 21 साल कर दिया जाएगा। अब लड़कों के समान लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल हो जाएगी। इस फैसले का कई लोग विरोध भी कर रहे हैं। उनका तर्क है कि यह फैसला भी कृषि-कानूनों की तरह मनमाना है। क्या सरकार ने इसके बारे में भारत की लड़कियों से भी पूछा है? किसी कांग्रेसी महिला नेता ने सवाल किया है कि जब आपने 18 साल की लड़कियों को वोट का अधिकार दिया है तो उन्हें 18 साल में शादी का अधिकार क्यों नहीं देते? कुछ लोगों ने कहा है कि यह कानून नाकाम रहेगा, जैसे शराबबंदी का कानून रहता है। इसके अलावा कुछ लोगों का तर्क यह भी है कि गांवों की गरीब और अशिक्षित लड़कियां यदि 21 साल तक अविवाहित रहेंगी तो उन्हें बेकारी और दुराचार का सामना भी करना पड़ सकता है। इन सब तर्कों को हम एकदम निराधार नहीं कह सकते हैं लेकिन पहली बात तो यह है कि सरकार ने यह फैसला अचानक नहीं किया है। इस मुद्दे पर भलीभांति विचार करने के लिए पिछले दो साल से एक आयोग काम करता रहा है। 1929 में लड़कियों की शादी की न्यूनतम उम्र 14 साल तय की गई थी और 1978 में उसे 18 साल कर दिया गया था। भारत में तो लड़के-लड़कियों की शादियां उनके गर्भ में रहते हुए ही तय हो जाया करती थीं। इस बाल-विवाह की कुप्रथा का विरोध आर्यसमाज ने जमकर किया, जिसके फलस्वरुप 1929 में शारदा एक्ट का जन्म हुआ। अब जो फैसला हुआ है, वह स्त्री-पुरुष समानता का प्रतीक है। यदि लड़कों की शादी की न्यूनतम उम्र 21 साल है तो लड़कियों की भी वही उम्र क्यों न हो? नारियों को नरों से कमजोर क्यों समझा जाए? अभी भी देश की 23-24 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल के पहले ही हो जाती है। जब से लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ी है, देश में पैदा होनेवाले बच्चों की संख्या काफी घटी है और पैदा होते से ही मरनेवालों बच्चों की संख्या भी घटी है। उनका स्वास्थ्य भी बेहतर हुआ है। लड़कियां देर से शादी करती हैं तो उनका शिक्षा का स्तर भी ऊँचा होता है और उनका रोजगार भी। उनका आत्म विश्वास भी ज्यादा होगा। इससे जनसंख्या पर नियंत्रण भी होगा। भारत शायद दुनिया का एकमात्र और पहला देश होगा, जहां लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होगी। चीन में यह 20 साल है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान आदि में यह 18 साल है। रुस में 16 साल और ईरान में 13 साल है। अमेरिका के कुछ राज्यों में इससे भी कम है। वैसे भारतीय हिसाब से शादी की न्यूनतम उम्र 25 साल होनी चाहिए, क्योंकि यही ब्रह्मचर्य आश्रम का काल माना जाता है। इस तरह का कानून तभी कारगर हो सकता है, जबकि देश में सामाजिक जागृति का कोई बड़ा आंदोलन चले। भारत में यदि करोड़ों लोग इस मर्यादा का पालन करें तो उसे विश्व-गुरु बनने में ज्यादा देर नहीं लगेगी।

संपादकीय

परमाणु हथियारों पर सवाल

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अगर परमाणु बिजली संयंत्र बनते हैं तो उनसे जुड़ा वह खतरा भी हमारे सामने आ जाता है कि कहीं दुनिया इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने और भंडारों में बढ़ोतरी के लिए न करने लगे। इधर, चीन के ऐसे ही बर्ताव ने इस संकट का साफ संकेत किया है।

हिरोशिमा-नागासाकी पर परमाणु बम हमले के बाद से दुनिया में इस सवाल पर विचार चलता रहा है कि आखिर परमाणु ऊर्जा का भविष्य क्या है। मसला यह है कि एक तरफ इससे पैदा की जाने वाली बिजली को जरूरी बताया जाता है, तो दूसरी तरफ परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ती जा रही है। साफ-सुथरी बिजली की बात हो तो परमाणु ऊर्जा की वकालत करने वालों की कमी नहीं है। इस समय दुनिया में दस फीसद बिजली नाभिकीय संयंत्रों (न्यूक्लियर रिएक्टरों) से ही पैदा हो रही है। इस ऊर्जा की वकालत की मूल वजह यह है कि परमाणु ऊर्जा को कार्बन उत्सर्जन घटाने का सबसे उम्दा विकल्प माना जाता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अगर परमाणु बिजली संयंत्र बनते हैं तो उनसे जुड़ा वह खतरा भी हमारे सामने आ जाता है कि कहीं दुनिया इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने और भंडारों में बढ़ोतरी के लिए न करने लगे। इधर, चीन के ऐसे ही बर्ताव ने इस संकट का साफ संकेत किया है। उल्लेखनीय है कि हाल में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सौ साल पूरे होने पर दिए गए भाषण में राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था कि चीन को डराने का प्रयास करने वाली विदेशी ताकतों का सिर कुचल दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि चीन अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाएगा। ऐसे बयानों और कार्रवाइयों से चीन के इरादों पर संदेह होता है। पर सवाल है कि परमाणु हथियारों की होड़ पैदा करने में क्या सिर्फ चीन की ही भूमिका रही? इसका एक गंभीर पक्ष यह है कि विकसित देशों से लेकर विकासशील और पाकिस्तान जैसे राष्ट्रों में परमाणु हथियारों की भूख बढ़ती जा रही है। आकलन कहता है कि अमेरिका के पास आज भी 3800 परमाणु हथियार हैं। इनमें से 1700हथियार

विभिन्न मोर्चों पर तैनात हैं। ध्यान रहे कि दुनिया में सबसे पहले परमाणु शक्ति संपन्न होने वाला अमेरिका अकेला ऐसा मुल्क है, जिसने पहली और आखिरी बार परमाणु हथियारों का इस्तेमाल (हिरोशिमा-नागासाकी में) किया था। 70 के दशक में एक दौर ऐसा आया था जब अमेरिका के परमाणु हथियारों की संख्या 31 हजार पार कर गई थी। ऐसा दावा है कि पिछले 75 वर्षों में अमेरिका ने कुल 66 हजार पांच सौ परमाणु हथियार बनाए, जिनमें से कई हजार परमाणु हथियार विभिन्न संधियों के तहत नष्ट किए गए। इसके अलावा करीब दो हजार परमाणु हथियारों को अमेरिका खत्म कर चुका है। तत्कालीन सोवियत संघ (आज का रूस) भी परमाणु हथियारों के मामले में अमेरिका से पीछे नहीं रहा। दूसरे विश्वयुद्ध के खात्मे के बाद हर मामले में अमेरिका से होड़ लेने वाले रूस ने अमेरिका से चार साल बाद 1949 में अपना पहला परमाणु परीक्षण कर लिया था और फिर बाद के वर्षों में हजारों परमाणु हथियार जमा कर लिए। वर्ष 1986 में रूस भी 40 हजार से अधिक परमाणु हथियारों के जखीरे पर बैठा था। हालांकि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद रूस ने भी इन हथियारों की संख्या घटाई और इन्हें छह हजार तीन सौ तक ले आया। दावा है कि रूस ने करीब 16 सौ परमाणु हथियार तैनात कर रखे हैं और 2700 हथियार भंडारों में सुरक्षित रखे हैं। चीन ने पहला परमाणु परीक्षण 1964 में किया था। उसके बाद से उसने पैंतालीस परमाणु परीक्षण किए हैं। हालांकि चीन ने व्यापक परमाणु प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) पर दस्तखत किए हैं, फिर भी उसके पास 320 परमाणु हथियार बताए जाते हैं। इनमें से सौ के करीब लंबी दूरी की मिसाइलों पर लगे हैं। वर्ष 1974 में पहला परमाणु परीक्षण करने वाले भारत ने अब तक सीटीबीटी या परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का अनुमोदन भले नहीं किया है, लेकिन वह अपने परमाणु हथियारों का किसी देश पर पहले इस्तेमाल नहीं करने (नो फर्स्ट यूज) की नीति पर कायम है। भारत की नीति दुनिया में भरोसेमंद मानी जाती है, लेकिन 1998 में परमाणु परीक्षण करने वाले पाकिस्तान की मंशा पर किसी को यकीन नहीं है। पाकिस्तान के मंत्री पाव-पाव भर के एटमी हथियारों के इस्तेमाल की धमकी देते रहे हैं। यही नहीं, आशंका यह भी है कि पाकिस्तान अगले दस वर्षों में और परमाणु हथियार जमा करने की नीति पर चल रहा है।

दूसरे से तुलना छोड़ स्वयं से लिखें अपनी तक़दीर

बीते दिनों भारत की झोली में एक वैश्विक स्तर की सफ़लता आई। 21वीं सदी में 21वर्ष की हरनाज ने 21साल का सूखा ख़त्म करके यह सफलता मिस यूनिवर्स के रूप में प्राप्त की। जैसा कि नाम से स्पष्ट हो रहा है उसे वास्तविक धरातल पर लाते हुए हरनाज ने सभी को नाज करने का अवसर उपलब्ध कराया। हरनाज ने भारत को तीसरी बार मिस यूनिवर्स का खिताब दिलाया। यह खिताब कहीं न कहीं ना सिर्फ उनकी सुंदरता की वजह से मिला, बल्कि उनके नेक और सुंदर विचारों को लेकर मिला। हरनाज से सवाल पूछा गया था कि वर्तमान दौर में युवा महिलाएं जो दबाव महसूस कर रही है उनको क्या सलाह देंगी जिससे वो दबाव का सामना कर सकें? इस सवाल का हरनाज ने बहुत ही खूबसूरती से जवाब दिया कि महिलाएं अपने आप की दूसरों से तुलना करना बंद करें और पूरी दुनिया में जो भी घटित हो रहा उस पर बात करें , बाहर निकले खुद के लिए आवाज उठाएं। हरनाज का मानना है कि, 卐मैं खुद में विश्वास करती हूं और इसीलिए आज यहां खड़ी हूं卐। ऐसे में हरनाज ने न केवल महिलाओं की स्थिति को बखूबी बयां किया है बल्कि औरतों को खुद पर विश्वास करने की भी प्रेरणा दी है।

वैसे आज यह न केवल भारत के लिए बल्कि दुनिया भर की करोड़ो महिलाओं के लिए यह गर्व की बात है। आज ऐसी कितनी महिलाएं है जो अपनी आवाज उठा पाती है। अपने सपनों को पूरा कर पाती है। दुनिया भर में महिलाएं आधी आबादी का प्रतिनिधित्व कर रही है। पर क्या उसे अपने हिस्से की आजादी मिल रही? बेशक इसका जवाब ना में ही होगा। बात अगर महिलाओं के संदर्भ में ही करें तो आज भी महिलाओं को अपनी बात रखने का अपने सपनों को पूरा करने के लिए एक लंबी लड़ाई लड़नी होती है। जिसकी शुरुआत उसके अपने ही घर से ही होती है। वहीं वर्तमान दौर में अभिव्यक्ति की आज़ादी की बात तो सभी करते है पर बात जब महिलाओं के हक की हो तो हमारा पुरुष प्रधान समाज चुप्पी साध लेता है। अमेरिका में रहने वाली महिला हो या भारत के किसी ग्रामीण क्षेत्र की महिला हो अमूमन दोनों की स्थिति लगभग एक जैसी है। हमारे देश में ही देख लो हर कोई महिला की अभिव्यक्ति की आजादी की बात करता है बस शर्त यही है कि वह महिला अपने घर की ना हो। कहने को तो आज महिलाएं अंतरिक्ष तक अपनी बुलन्दी के झंडे गाड़ चुकी है। लेकिन आज भी ऐसी करोड़ों महिलाएं है जिनकी आवाज को दबा दिया

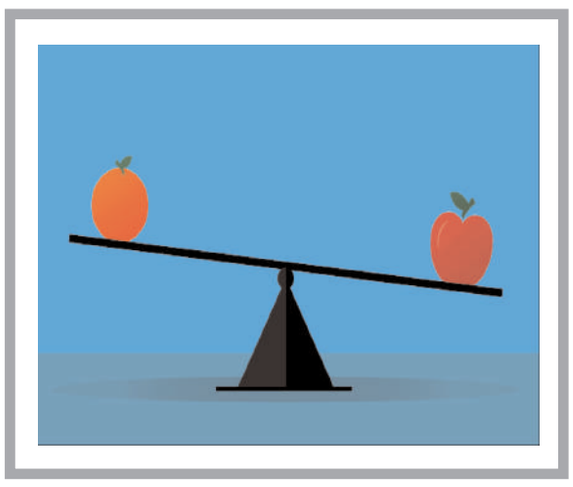

जाता है। वर्तमान दौर में दुनिया ग्लोबलाइजेशन की ओर बढ़ रही है। आज भले ही हम मीलों का फासला चंद पलों में तय कर रहे है, लेकिन दिलों में एक गहरी खाई पनप सी गई है। आज भी पितृसत्तात्मक समाज महिलाओं की आज़ादी उनकी अभिव्यक्ति को स्वीकार नहीं कर पाता है। वजह साफ है क्योंकि यदि महिलाएं अपने हक मांगने लगी तो हमारे पितृसत्तात्मक समाज को अपनी सत्ता अपना सिंहासन डोलते हुए नज़र आने लगता है।

आज महिलाएं आज़ाद होकर भी आजाद नहीं है। सामाजिक बेड़ियों में महिलाओ को बांधने की हमारी परंपरा पुरानी रही है। वहीं महिलाओं को देवी मानकर पूजने का ढोंग किया गया जिसकी कीमत महिलओं को अपने त्याग बलिदान से चुकानी होती है। कोरोना काल की ही बात करें तो सम्पूर्ण विश्व इस वैश्विक महामारी में संघर्षरत रहा। दुनिया वैश्विक मंदी के गर्त में चली गई। लाखों लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा पर दुर्भाग्य देखिए कि इसमें भी महिलाओं का प्रतिशत सर्वाधिक रहा। भारत के ही संदर्भ में बात करें तो वैश्विकरण के दौर में दुनिया इंटरनेट के माध्यम से आगे बढ़ रही है। तो हमारा देश इस परिपेक्ष्य में आज भी पिछड़ा हुआ है एक तरफ देश फ़ाइव जी की दिशा में आगे बढ़ रहा है तो वही लड़कियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आने की आज़ादी तक नहीं है। यहां एक सर्वे की बात करें तो भारत में 42 फ़ीसदी लड़कियों को दिन में मात्र एक घंटे से भी कम समय मोबाईल फोन इस्तेमाल की इजाज़त दी जाती है। अब सोचिए आधुनिक युग मे भी महिलाएं सोशल प्लेटफॉर्म का उपयोग तक नहीं कर सकती? फ़िर वह कैसे अपनी अभिव्यक्ति की आज़ादी की पैरवी करेगी? वैसे सवाल कई हैं, लेकिन उनके जवाब देने वाला कोई नहीं। फिर ऐसे में समझ इतना ही आता है कि हरनाज ने ना सिर्फ़ हमें और हमारे समाज को नाज़ करने का एक मौका उपलब्ध कराया है, बल्कि उन महिलाओं या आधी आबादी को भी एक संदेश दिया है, ताकि वह उठकर अपने हक़ के लिए लड़ सकें। वैसे राजनीति से जुड़ें सियासतदां भी कई बार महिलाओं को सशक्त करने की बात करते हैं। आगामी दौर में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव को ही ले लीजिए। इसमें एक राजनीतिक दल ने अपना स्लोगन ही दिया है, 卐लड़की हूँ, मैं लड़ सकती हूं卐, लेकिन यह एक चुनावी स्लोगन है। इस पर विश्वास कितना करना यह आधी आबादी को स्वयं सोचना चाहिए। वहीं हरनाज ने जिन बातों का जिक्र किया। उसे अगर वास्तविक रूप से आधी आबादी अपने जीवन का हिस्सा बना लें, तो नि: सन्देह महिलाओं की दिशा और दशा भारतीय समाज में नेतृत्वकर्ता की नहीं तो पूरक की बन ही सकती है। वैसे भी किसी भी समाज की उन्नति स्त्री-पुरुष दोनों की सहभागिता से ही सुनिश्चित हो सकती है। ऐसे में एक लंबे समय तक स्त्रियों की अपेक्षा नहीं की जा सकती।

वहीं एक बात यह भी की हरनाज को ब्रम्हांड सुंदरी से नवाजा गया है यह गर्व का विषय है पर देखा जाएं तो दुनिया मे ऐसी कौनसी स्त्री है जो सुन्दर नहीं है। अंतर सिर्फ इतना है कि कोई बहुत ज्यादा सुंदर है तो कोई कम सुंदर। स्त्री में सर्जन करने की शक्ति है वह सहनशीलता और त्याग की मूरत है। फिर भी ऐसे में वर्तमान समय में समाज उसे कमज़ोर और अबला बनाने का प्रयास कर रहा है। आज टेलीविजन पर ही देखें तो महिलाओं को अश्लीलता के रूपक या फिर एक उत्पाद के रूप में प्रदर्शित किया जा रहा है। जो कहीं न कहीं दूषित मानसिकता का परिणाम है। ऐसे में सवाल यही कि यह महिला सशक्तिकरण का कैसा रूप है? जिसे अभिव्यक्ति की आज़ादी के रूप में परोसा जा रहा है। लेकिन अफ़सोस की इस विषय पर कोई बात नहीं करता। स्त्रियां भी चुप और समाज भी चुप। वैसे हमारे पुरुष प्रधान समाज ने तो सदैव स्त्रियों को दोयम दर्जे का ही माना है, लेकिन अफ़सोस की महिलाएं भी इस विषय पर खुलकर बात नहीं करती है।

राहुल गांधी की विजय सम्मान रैली दे गई सत्तापरिवर्तन का संकेत

देहरादून में हुई विजय सम्मान रैली के दौरान कांग्रेस के पूर्व राहुल गांधी ,उनके साथ आए वेणुगोपाल, कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव,पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत आदि कांग्रेस के बड़े नेताओं से मंच सजा हुआ था। तभी मंच पर मसाला चाय बेचने वाला रंजीत बिस्वास आया तो राहुल गांधी ने उनसे लेमन टी मांगी और फिर चटकारे लेकर लेमन टी का स्वाद चखने लगे।कड़ी सुरक्षा के बावजूद सड़को पर चाय बेचने वाला राहुल गांधी तक कैसे पहुंच गया ,यह सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है।वही अपने मुख्य सम्बोधन में राहुल गांधी ने कहा कि उनके परिवार ने देश के लिए कुर्बानी दी। 31 अक्टूबर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी दादी देश के लिए शहीद हुईं.राहुल गांधी ने तमिलनाडु के कुन्नूर में हेलीकॉप्टर हादसे में शहीद हुए सीडीएस जनरल बिपिन रावत और सैन्य अधिकारियों को याद किया। वहीं, उन्होंने देहरादून को लेकर कहा, जब मैं यहां आ रहा था, तो सोच रहा था कि उत्तराखंड के साथ मेरा क्या रिश्ता है? जब मैं छोटा था, तो दून स्कूल में पढ़ता था. आपने मुझे उस समय बहुत प्यार दिया. उन्होंने कहा, मेरी दादी देश के लिए शहीद हुईं।मेरा और आपका कुर्बानी का रिश्ता है. जो कुर्बानी उत्तराखंड के हजारों लोगों ने दी है, वहीं कुर्बानी मेरे परिवार ने दी है। जिन लोगों ने अपना खून दिया है, वो रिश्ते को बहुत अच्छे से समझेंगे. जिनके लोग सेना में हैं उन परिवारों को ये बात बहुत गहराई से पता है कि पिता को खोना और भाई को खोना क्या होता है, लेकिन जिन परिवारों ने इस तरह की कुर्बानी नहीं दी, उनको ये बात कभी समझ नहीं आ सकती है। राहुल गांधी ने कहा, उत्तराखंड ने भारत को अपना सबसे ज्यादा खून दिया है। बांग्लादेश की लड़ाई में 13 दिन में पाकिस्तान ने अपना सिर झुका दिया, जबकि आमतौर पर युद्ध 6 महीने या 1 से 2 साल तक चलता है। राहुल गांधी ने कहा, अमेरिका को अफगानिस्तान में 20 साल लग गए। भारत ने पाकिस्तान को 13 दिन में हरा दिया, ये हमको भूलना नहीं चाहिए। भारत के सब लोगों ने एक साथ मिलकर पाकिस्तान को हराया. लाखों परिवारों के लोगों ने अपने घर से सोना भारत सरकार को दिया. जब भारत एक साथ खड़ा होता है, तो हमारे देश में सामने कोई खड़ा नहीं हो सकता है। राहुल ने कहा,

देश को कमजोर किया जा रहा है। एक भाई को दूसरे भाई से लड़ाया जा रहा है. कमजोर लोगों को मारा जा रहा है। पूरी सरकार दो-तीन पूंजीपतियों के लिए चलाई जा रही है। तीन काले कानून किसानों के खिलाफ उनकी मदद के लिए नहीं उनको खत्म करने के लिए लाया जा रहा था। किसान एक साथ खड़े हुए और देखिए पीएम हाथ जोड़कर कहते हैं कि गलती हो गई, माफी मांगता हूं और फिर माफी मांगने के बाद जो 700 किसान शहीद हुए उनके बारे में संसद में कहते हैं किसी की मौत नहीं हुई। पंजाब की सरकार की ओर से 400 किसानों को मुआवजा दिया गया. मैंने संसद में लिस्ट दी।ये गलती नहीं थी, साजिश थी. कांग्रेस पार्टी खड़ी हुई, किसान खड़े हुए, विपक्ष के लोग खड़े हुए इसलिए प्रधानमंत्री ने माफी मांगी। बांग्लादेश की पाकिस्तान से मुक्ति के आज 50 साल हुए हैं। इसे लेकर राहुल गांधी ने कहा, आज इंदिरा जी का कार्यक्रम हुआ, जिसमें इंदिरा गांधी का नाम तक नहीं है। जिस महिला ने इस देश के लिए 32 गोली खाई उनका नाम तक नहीं है।सरकार सच्चाई से डरती है। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इंदिरा जी ने देश के लिए खून देकर क्या किया। मुझे पता है मुझे समझाने की जरुरत नहीं है।

रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, नोटबंदी के बाद गलत जीएसटी, उसके बाद कोरोना के समय भारत के सबसे बड़े लोगों का टैक्स माफ, ये क्या हो रहा है और क्यों हो रहा है। नोटबंदी-जीएसटी पूंजीपतियों का हथियार है. पीएम मोदी लागू करने वाले हैं, जब तक केंद्र से बीजेपी की सरकार नहीं हटेगी, तब तक इस देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा. ये देश अपने युवाओं को रोजगार नहीं दे पाएगा। राहुल ने कहा कि आपके सामने सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी की है।केंद्र की मोदी सरकार पर हमला करते हुए राहुल गांधी ने कहा, आप देश को बांटने का काम करते हैं. भारत में किसान की मेहनताना छीनी जा रही है. ये मत सोचिए हिंदुस्तान मजबूत हो रहा है. हेलीकॉप्टर और तोप से देश मजबूत नहीं होता, देश मजबूत तब होता है जब देश का नागरिक मजबूत होता है. जब जनता बिना डरे बोल सकती है, तब देश मजबूत होता है। बांग्लादेश की लड़ाई के समय सेना और सरकार एक दूसरे की सुनते थे। उनके बीच कम्युनिकेशन था. दोनों एक दूसरे की बात सुना करते थे. उस समय अर्थव्यवस्था मजबूत थी. आज वो हालात नहीं है। उन्होंने कहा कि राफेल की कितनी फोटो दिखा लें।हवाई जहाज और टैंक से देश मजबूत नहीं होता है, आपके साथ रिश्ता है, इसलिए खुलकर बोल सकता हूं।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राहुल गांधी को सफ़ल नेतृत्व बताते हुए कहा कि उन्ही के मजबूत कंधों पर देश का भविष्य टिका है।देश का हर वर्ग आपकी तरफ आशा भरी नजरों से देख रहा है कि कब आप मौजूदा सरकार से मुक्ति दिलाकर किसानों, मजदूरों, व्यापारियों, सैनिकों,युवाओं, महिलाओं को उनका हक दिलाएंगे।रैली में नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय, यशपाल आर्य आदि ने बोलते हुए कहा कि भाजपा जा रही है,कांग्रेस आ रही नदी।कांग्रेस प्रभारी देवेंद्र यादव भी इस रैली से खुश नजर आए।कहा जा सकता है यह रैली उत्तराखंड में सत्ता परिवर्तन का संकेत है।

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला, वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला, गुरुजी, यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया।

ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला, वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला, गुरुजी, नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है, जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था।

उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले, पुत्र, देखा तुमने, छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है, इसलिए उसके जल में मिठास है। व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो।

गिद्ध शिकारी पक्षियों के अंतर्गत आनेवाले मुर्दाखोर पक्षी हैं। ये सब पक्षी दो भागों में बांटे जा सकते हैं। पहले भाग में अमरीका के कॉण्डर, किंग वल्चर, कैलिफोर्नियन वल्चर, टर्की बजर्ड और अमरीकी ब्लैक वल्चर होते हैं और दूसरे भाग में अफ्रीका और एशिया के राजगृद्ध, काला गिद्ध, चमर गिद्ध, बड़ा गिद्ध और गोबर गिद्ध मुख्य हैं। ये कत्थई और काले रंग के भारी कद के पक्षी हैं, जिनकी दृष्टि बहुत तेज होती है। शिकारी पक्षियों की तरह इनकी चोंच भी टेढ़ी और मजबूत होती है, लेकिन इनके पंजे और नाखून उनके जैसे तेज और मजबूत नहीं होते। ये झुंडों में रहने वाले मुर्दाखोर पक्षी हैं, जिनसे कोई भी गंदी और घिनौनी चीज खाने से नहीं बचती। ये पक्षियों के सफाईकर्मी हैं, जो सफाई जैसा आवश्यक काम करके बीमारी नहीं फैलने देते।

पर्यावरण मित्र गिद्ध

पारिस्थितिकी तंत्र में हर पशु पक्षी का अपना स्थान और अपना महत्व है। किसी भी प्रजाति की बहुलता या किसी की विलुप्तता दोनों ही दीर्घकालिक तौर पर इस तंत्र को नुकसान पहुंचाती है। ऐसा ही एक पक्षी है गिद्ध जो आज विलुप्तता की कगार पर खड़ा है। खुले आसमान में बड़े-बड़े डैने फैलाकर उड़ान भरने वाला गिद्ध कभी गांव या शहरों के सड़क किनारे सड़े हुए पशुओं का मांस खाने को आतुर गिद्ध का झुंड बच्चों को हवाई जहाज से कम नहीं दिखता था। उनकी वजह से आसपास का वातावरण दुर्गंध मुक्त था। चंद घंटों में सड़ी-गली लाशों को चट करने की अद्भुत शक्ति थी। गिद्धराज पर्यावरण के सफाईकर्मी के रूप में वातावरण की शुद्धता व संतुलन को बनाए रखता था। कई ऐसी किवदंतियां हैं, जिसमें गिद्धों को आध्यात्मिक व पर्यावरण का हितैषी बताया गया है। पर्यावरण का यह हितैषी एवं सफाईकर्मी अलग-अलग देशों में कई रूप-रंगों में पाया जाता है। इन सभी तथ्यों के बावजूद आज जो बात जमीनी स्तर पर खड़ी है वह यह कि यह प्राकृतिक रूप से लाभकारी पक्षी अपनी विलुप्तता के कगार पर खड़ा है। दक्षिणी एशिया में गिद्ध की तीन प्रजातियां 97 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी हैं, वहीं एक प्रजाति तो 99.9 प्रतिशत तक विलुप्त हो चुकी है। गिद्धों की विलुप्तता की प्रक्रिया डोडो समेत बहुत सी जंगली पक्षियों से ज्यादा तेजी से हुई है। भारत में इनकी 9 प्रकार की प्रजातियां हैं। डेढ़ से दो दशक में गिद्धों की संख्या 97 प्रतिशत नष्ट हो गयी है। 20 वर्ष पहले तक भारत में गिद्धों की संख्या लगभग 9 .5 लाख थी। अब उनकी संख्या मात्र 3-4 हजार ही शेष रह गई है। गिद्धों की तीन प्रजातियां (व्हाइट बैक्ड, स्लेंडर बिल्ड, लॉग बिल्ड) तेजी से विलुप्त होती जा रही है। यह पर्यावरण के परिस्थितिकीय चक्र के लिए अशुभ संकेत है।

भारतीय गिद्ध पुरानी दुनिया का गिद्ध है जो नई दुनिया के गिद्धों से अपनी सूंघने की शक्ति में भिन्न हैं। यह मध्य और पश्चिमी से लेकर दक्षिणी भारत तक पाया जाता है। प्रायः यह जाति खड़ी चट्टानों के श्रंग में अपना घोंसला बनाती है, परन्तु राजस्थान में यह अपना घोंसला पेड़ों पर बनाते हुए भी पाए गए हैं। अन्य गिद्धों की भांति यह भी अपमार्जक या मुर्दाखोर होता है और यह ऊंची उड़ान भरकर इंसानी आबादी के नजदीक या जंगलों में मुर्दा पशु को ढूंढ लेते हैं और उनका आहार करते हैं। इनके चक्षु बहुत तीक्ष्ण होते हैं और काफी ऊंचाई से यह अपना आहार ढूंढ लेते हैं। यह प्रायः समूह में रहते हैं। भारतीय गिद्ध का सिर गंजा होता है, उसके पंख बहुत चौड़े होते हैं तथा पूंछ के पर छोटे होते हैं। इसका वजन 5.5 से 6.3 किलो होता है। इसकी लंबाई 80-103 सेमी तथा पंख खोलने में 1.96 से 2.38 मी. की चौड़ाई होती है।

आज भारतीय गिद्धों का प्रजनन बंदी हालत में किया जा रहा है। इसका कारण यह है कि खुले में यह विलुप्ति की कगार में पहुंच गए हैं। शायद इनकी संख्या बढ़ जाए। गिद्ध दीर्घायु होते हैं लेकिन प्रजनन में बहुत समय लगाते हैं। गिद्ध प्रजनन में 5 वर्ष की अवस्था में आते हैं। एक बार में एक से दो अण्डे पैदा करते हैं लेकिन अगर समय खराब हो तो एक ही चूजे को खिलाते हैं। यदि परभक्षी इनके अण्डे खा जाते हैं तो यह अगले साल तक प्रजनन नहीं करते हैं। यही कारण है कि भारतीय गिद्ध अभी भी अपनी आबादी बढ़ा नहीं पा रहा है। बुद्धिजीवियों का मानना है कि गिद्ध मुर्दाखोर है। विकृत शरीर को देखकर लोग डर जाते हैं। पर, यह प्राणी धरती पर पसरे सड़े-गले मांस को पचाने की विचित्र क्षमता रखता है। आज तो किसी जानवर की मौत हो जाए तो सड़क किनारे लोग लाश को फेंक देते हैं। पहले गांव में पशुओं की लाश ले जाने के लिए चर्मकार समुदाय आगे आता था, क्योंकि इनके आजीविका का आधार चमड़ा था। अब तो किसान/पशुपालक स्वयं लाशों को सड़क किनारे फेंकने लगे हैं। लाश को मिट्टी में दफनाने वालों की संख्या ना के बराबर है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से लाश सड़ेगी तो संक्रमण फैलेगा व हैजा, फेंफड़े आदि के रोग होंगे। ब्रिटेन के रॉयल सोसायटी के शोध में कहा गया है कि भारत में सरकार जरूर प्रतिबंध लगाया है, पर डायक्लोफेनिक की मार्केटिंग गांव-शहरों में खूब हो रही है। निरक्षरता व जागरूकता की कमी की वजह से गिद्धों का समुचित संरक्षण नहीं हो रहा है। जानकार मानते हैं कि पशु-पक्षी अभयारण्य संस्था को दुर्लभ पक्षियों की प्रजातियों को बचाने के लिए अभियान चलाना चाहिए। बच्चों के पाठ्यक्रम में पशु-पक्षियों को बचाने के लिए प्रेरणात्मक कहानी को शामिल करना चाहिए। ताकि आने वाली पीढ़ी कहानियों के जरिए दुर्लभ पक्षियों की ओर आकृष्ट होंगे और पर्यावरण को बचाने में अहम् भूमिका अदा करेंगे। जिस रफ्तार से परिस्थितिकीय चक्र बिगड़ रहा है, किसान खेतों में कीटनाशक प्रयोग कर रहे हैं व पशु चिकित्सक मवेशियों को दर्द दूर करने के बजाय प्रतिबंधित दवा चला रहे हैं, वह दिन दूर नहीं जब धरती संकटकाल से गुजरेगी। प्राणियों की सांसें थमने लगेंगी। समय रहते दुर्लभ पक्षियों के संरक्षण और उत्थान की जोरदार वकालत नहीं हुई तो गिद्धों को बचाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी होगा।

दर्दनाशक दवा से खत्म होते गिद्ध

प्रकृति ने हर प्राणी को एक नियम के तहत बनाया गया है, हर प्राणी को एक नियत जिम्मेवारी दी गई है, प्रकृति के इस चक्र में साफ-सफाई का काम करने वाले गिद्धों की संख्या पिछले एक दशकों में एकाएक घट गई है, लगभग सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में विलुप्त हो रहे गिद्धों को बचाने के लिए भारत सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। इसके तहत पशुओं को दी जाने वाली उस दवा पर प्रतिबंध लगा दिया है जिसके कारण गिद्धों की मौत हो रही थी। संरक्षण कार्यकर्ताओं का कहना है कि पिछले 12 सालों में गिद्धों की संख्या में आश्चर्यजनक रूप से 97 प्रतिशत की कमी आई है और वे विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गए हैं। इसका मुख्य कारण बताया जा रहा है कि पशुओं को दर्दनाशक के रुप मे एक दवा डायक्लोफेनाक दी जाती है और इस दवाई को खाने के बाद यदि किसी पशु की मौत हो जाती है तो उसका मांस खाने से गिद्धों मर जाते हैं। भारत, पाकिस्तान और नेपाल में हुए सर्वेक्षणों में मरे हुए गिद्धों के शरीर में डायक्लोफेनाक के अवशेष मिले हैं। उपचार के बाद पशुओं के शरीर में इस दवा के रसायन घुल जाते हैं और जब ये पशु मरते हैं तो उनका मांस खाने वाले गिद्धों की किडनी और लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचता है, जिससे वे मौत का शिकार हो जाते हैं। इन्हीं कारणों से भारत में गिद्धों की संख्या तेजी से कम हो रही है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में बढ़ता प्रदूषण, कटते वृक्षों से गिद्धों के बसेरे की समस्या भी इस शानदार पक्षी को बड़ी तेजी से विलुप्ति के कगार पर धकेल रही है, वैसे भी भारतीय समाज में गिद्धों को हेय दृष्टि से देखा जाता है, मरे हुए प्राणियों का मांस नोचने वाले इस पक्षी को सम्मान या दया की दृष्टि से नहीं देखा जाता है। मुर्दाखोर होने की वजह से गिद्ध पर्यावरण को साफ-सुथरा रखते है और सड़े हुए मांस से होने वाली कई बीमारियों की रोकथाम में सहायता कर संतुलन बैठाते है। ब्रिटेन के रॉयल सोसायटी फॉर प्रोटेक्शन ऑफ बर्ड्स में अंतरराष्ट्रीय शोध विभाग के प्रमुख डेबी पेन का कहना है कि गिद्धों की तीन प्रजातियां चिंताजनक रुप से कम हुई हैं, उनका कहना है, हालांकि अब भारत में डायक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगा दिया गया है लेकिन भोजन चक्र से इसका असर खत्म होने में काफी वक्त लगेगा। गौरतलब है कि टनों की संख्या के यह दवा गांव-शहरों में उपलब्ध है, निरक्षरता और इस सम्बन्ध में कोई समुचित जानकारी नहीं होने से इस पर लगाए गए प्रतिबन्ध इतनी जल्दी असरदार साबित होंगे, इसमें शक लगता है। रेगिस्तानी इलाकों के मुख्यतः पाए जाने वाले गिद्धों की संख्या सिर्फ गुजरात में ही 2500 से घटकर 1400 रह गई है। कभी राजस्थान व मध्यप्रदेश में भी गिद्ध भारी संख्या में पाए जाते थे, लेकिन अब बिरले ही कहीं दिखाई देते हों। गिद्धों की जनसंख्या को बढ़ाने के सरकारी प्रयासों को मिली नाकामी से भी इनकी संख्या में गिरावट आई है। इनकी प्रजनन क्षमता भी संवर्धन के प्रयासों में एक बड़ी बाधा है, गिद्ध जोड़े साल में औसतन एक ही बच्चे को जन्म देते हैं। भारत में कभी गिद्धों की नौ प्रजातियां पाई जाती थी- बियर्डेड, इजिप्शयन, स्बैंडर बिल्ड, सिनेरियस, किंग, यूरेजिन, लोंगबिल्ड, हिमालियन ग्रिफिम एवं व्हाइट बैक्ड। इनमें से चार प्रवासी किस्म की हैं।

संरक्षण के लिए उठाए गए कदम

पशुओं के इलाज के दौरान उन्हें दी जाने वाली दर्द निवारक दवा डायक्लोफेनिक ही गिद्धों के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है, यह बात आज से करीब दो दशक पहले ही उजागर हो गई थी। डायक्लोफेनिक से गिद्धों की मौत होने की जानकारी करीब 18 साल पहले ही मिल गई थी, लेकिन तब से लेकर आज तक गिद्धों में दवा के असर को कम करने का कोई तरीका ढूंढा नहीं जा सका है। भारत सरकार भी हाल ही में हुए सर्वेक्षणों की रिपोर्ट आने के बाद मान गई कि इस दवाई के कारण ही गिद्धों की मौत हो रही है। नतीजतन भारत सरकार से संबद्ध नेशनल बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ ने डायक्लोफेनाक पर प्रतिबंध लगाने की अनुशंसा की थी, जिसे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने स्वीकार कर डायक्लोफेनाक की जगह दूसरी दवाइयों के उपयोग को मंजूरी दे दी।

गिद्धों के अचरज भरे गुण

गिद्ध एक ऐसी बदसूरत चिड़िया है जिसकी खानपान की आदतें पारिस्थितिकी तंत्र या ईको सिस्टम के लिए जरूरी हैं। हालांकि इसके लिए उसे श्रेय शायद ही दिया जाता है। खैर, गिद्ध के बारे में हम चाहें जैसी भी राय रखते हों, लेकिन उनके बारे में एक बात तो साफ है कि वो खतरे में हैं। पिछले एक दशक के दौरान भारत, नेपाल और पाकिस्तान में उनकी तादात में 95 प्रतिशत तक की कमी आई है और ऐसे ही रुझान पूरे अफ्रीका में देखे गए हैं। ये पक्षी जिन शवों को खाते हैं, उससे उनके शरीर में जहर पहुंच रहा है। कुछ लोग मानते हैं कि जानवरों को दी जाने वाली दवाओं के कारण ऐसा हो रहा है, जबकि दूसरे लोग मानते हैं कि नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे शिकार के कारण इनकी संख्या घट रही है। इनका शिकार इसलिए भी किया जा रहा है ताकि ये गैंडों और हाथियों की मौत के बारे में चेतावनी न दे सकें। साइमन थॉमसेट जैसे संरक्षणवादी इन पक्षियों की दुर्दशा को लेकर जागरुकता फैलाने का काम कर रहे हैं। वो गिद्धों के अनूठे गुणों को बताकर हमारे नजरिए को बदलने के लिए भी काम कर रहे हैं। आइए उनके ऐसे ही कुछ गुणों के बारे में जानते हैं।

अफ्रीका के सबसे बड़े पेटू

अफ्रीका आने वाले प्रत्येक पर्यटक को लगता है कि जंगली जानवरों को खाने वालों में सबसे आगे शेर, हाइना, तेंदुए, चीते, जंगली कुत्ते और गीदड़ हैं, लेकिन ऐसा है नहीं। वो एक उदाहरण अफ्रीकी क्षेत्र सेरेंगेती का उदाहरण देते हैं, जहां एक अनुमान के मुताबिक हर साल मृत पशुओं का सड़ा मांस और कंकाल कुल चार करोड़ टन से अधिक होते हैं। मांसाहारी जीव (स्तनधारी) इसके केवल 36 प्रतिशत हिस्से को खा सकते हैं और बाकी गिद्धों के हिस्से में आता है। इस संसाधन के लिए जीवाणु और कीड़े गिद्धों से मुकाबला करते हैं, लेकिन इसके बावजूद गिद्ध ही सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। गिद्ध बीमारियों को फैलने से रोकने के साथ ही जंगली कुत्तों जैसे अन्य मुर्दाखोरों की संख्या को सीमित रखने में भी मददगार साबित होते हैं।

कोई सरहद न इन्हें रोके

गिद्ध अपने भोजन के लिए काफी अधिक दूरी तय कर सकते हैं। रूपेल्स वेंचर ने हाल में एक गिद्ध को तंजानिया स्थित अपने घोंसले से उड़ात भरते हुए केन्या के रास्ते सूडान और ईथोपिया तक सैर करते हुए कैमरे में कैद किया। शोधकर्ताओं के एक अंतरराष्ट्रीय दल ने पाया कि सूखे के दौरान केन्या के मसाई मारा रिजर्व से ये पक्षी जंगली हिरणों का पीछा करते हुए अपने भोजन की तलाश में दूसरे स्थानों तक जाते हैं। सीमाओं को पार करने की इस आदत के कारण इन पक्षियों को परेशानी भी उठानी पड़ती है। एक बात तो सऊदी अरब में स्थानीय मीडिया ने इन पक्षियों पर इसराइली जासूस होने का आरोप भी लगा दिया।

करामाती पेशाब

तुर्की के गिद्ध अपने पैरों पर पेशाब करते हैं और उनकी ये आदत आपको भले ही अच्छी न लगे, लेकिन वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उनकी इस आदत से उन्हें बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। सड़े हुए मांस पर खड़े होने के कारण गिद्धों के पैरों में गंदगी लग जाती है और ऐसा अनुमान है कि गिद्धों के पेशाब में मौजूद अम्ल उनके पैरों को कीटाणुओं से मुक्त बनाने में मदद करता है।

असीमित विस्तार

दक्षिण अफ्रीकी केप गिद्ध एक सीध में करीब 1000 किलोमीटर तक की दूरी तय करने के लिए बिजली के विशाल खंभों का अनुसरण करते हैं। ऐसी मानवनिर्मित चीजों की मदद लेने के अपने जोखिम भी हैं। बिजली के खंभों पर ठहरने या घोंसला बनाने से तारों से चिपक जाने और करंट लगने का जोखिम रहता है. बिजली के तार निजी खेतों से भी गुजरते हैं और भोजन की तलाश में इन स्थानों पर घूमने के दौरान जहर की चपेट में आने की आशंका भी बनी रहती है।

खानपान

ये सही है कि गिद्धों को सड़ा हुआ मांस और मृत पशुओं को खाने के लिए जाना जाता है, लेकिन सभी गिद्ध केवल सड़ा हुआ मांस नहीं खाते हैं। जैसा कि नाम से ही जाहिर होता है पाम नट वल्चर (गिद्ध) कई तरह के अखरोट, अंजीर, मछली और कभी कभी पक्षियों को भी खाता है। कंकालों के मुकाबले इसे कीड़े और ताजा मांस पसंद है। गिद्धों की सबसे बड़ी अफ्रीकी प्रजाति लैप्पेट-फेस्ड वल्चर के पंख 2.9 मीटर तक चौड़े होते हैं और इसे मुर्गी के जिंदा बच्चे भोजन के रूप में अधिक पसंद हैं।

बुलंद उड़ान

गिद्ध सबसे ऊंची उड़ान भरने वाला पक्षी है। इसकी सबसे ऊंची उड़ान को रूपेल्स वेंचर ने 1973 में आइवरी कोस्ट में 37,000 फीट की ऊंचाई पर रिकॉर्ड किया था, जब इसने एक हवाई जहाज को प्रभावित किया था। ये ऊंचाई एवरेस्ट (29,029 फीट) से काफी अधिक है और इतनी ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी से ज्यादातर दूसरे पक्षी मर जाते हैं। इसके बाद गिद्ध को लेकर हुए अध्ययनों से उनके हीमोग्लोबिन और हृदय की संरचना से संबंधित कई ऐसी विशेषताओं के बारे में पता चला, जिनके चलते वो असाधारण वातावरण में भी सांस ले सकते हैं। गिद्ध भोजन की तलाश में एक बड़े इलाके पर नजर डालने के लिए अक्सर ऊंची उड़ान भरते हैं।

लालची सारस

एक बूढ़ा सारस नदी किनारे रहता था। वह सारस इतना बूढ़ा हो चला था कि भरपेट भोजन जुटा पाना भी उसके लिए मुश्किल हो गया था। मछलियां अगल-बगल से तैरकर निकल जातीं, लेकिन कमजोर होने के कारण वह उन्हें पकड़ नहीं पाता था।

एक दिन वह बहुत भूखा था, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से उसे खाने को कुछ भी नहीं मिला था। उदास होकर वह नदी किनारे बैठ गया और रोने लगा। एक केकड़ा वहां से गुजर रहा था। उसने सारस को रोते देख कारण पूछा। तभी अचानक सारस के दिमाग में विचार आया कि वह केकड़े को बहला-फुसलाकर खा ले तो कितना मजा आए। उसने केकड़े को कुछ देर शांत रहने को कहा ताकि वह अपनी खुशी को छिपा सके। केकड़ा चुपचाप बैठ गया। इस बीच चालाक सारस ने ऐसा नाटक किया मानो सच में वह दुखी हो। वह बोला, 'शायद तुम नहीं जानते कि इस नदी के जंतुओं पर कैसी समस्या आने वाली है, सबके सब मारे जाएंगे। नदी का पानी खत्म होने वाला है।'

'क्या?' सुनकर केकड़ा हैरान रह गया। सारस बोला, 'हां। मुझे एक ज्योतिषी ने बताया है कि जल्दी ही यह नदी सूख जाएगी और इसमें रहने वाले सभी प्राणी मारे जाएंगे। ऐसी भविष्यवाणी सुनकर तो मेरा मन कांप उठा है।'

फिर कुछ देर रुककर सारस बोला, 'यहां से कुछ ही दूरी पर एक झील है। बड़े जलजीव जैसे मगरमच्छ, कछुए व मेंढक आदि तो खुद ही चलकर वहां पहुंच सकते हैं, लेकिन मुझे मछलियों जैसे उन जीवों की चिंता सता रही है, जो चलना जानते ही नहीं। बिना पानी के तो वे मर जाएंगे। यही कारण है कि मैं इतना उदास व दुखी हूं, मैं उनकी मदद करना चाहता हूं।'

सारस की ये बातें नदी में रहने वाले सभी जीव-जंतु चुपचाप सुन रहे थे। लेकिन वे यह सोचकर खुश भी थे कि उनकी मदद को सारस वहां आ चुका है। तभी सारस बोला, 'यहां से कुछ दूर पानी से लबालब भरी झील है। मैं सभी जीवों को अपनी पीठ पर बैठाकर वहां ले जाऊंगा और उन्हें सुरक्षित उस झील में छोड़ दूंगा।'

सारस के इस प्रस्ताव पर सभी जीव-जंतु खुश हुए और उन्होंने हामी भर दी। उधर सारस भी अपनी योजना को पूरा करने के लिए तैयार था। पहल उसने मछलियों से की और उन्हें पीठ पर लादकर ले चला। लेकिन उन्हें झील तक पहुंचाने के बजाय एक पहाड़ी के पीछे ले गया और मारकर खा लिया। इस तरह से रोज सारस कई मछलियों को खा जाता था। कुछ ही दिनों में उसकी सेहत सुधर गई और वह हट्टा-कट्टा हो गया।

एक दिन केकड़ा सारस से बोला, 'दोस्त, लगता है तुम मुझे भुला चुके हो। मेरा तो विचार था कि उस झील तक जाने वालों में मेरा नंबर पहला होगा। लेकिन अब मुझे लगता है कि तुम्हें मेरा जरा भी ख्याल नहीं है।'

'नहीं, मैं तुम्हें भूला नहीं हूं', सारस बोला। वह भी रोज-रोज मछलियां खाते-खाते ऊब चुका था। वह इसमें बदलाव चाहता था, इसलिए वह केकड़े से बोला, 'नाराज मत हो दोस्त! आओ मेरी पीठ पर बैठ जाओ।'

यह सुनते ही केकड़ा सवार हो गया सारस की पीठ पर और सारस चल दिया झील की ओर। सारस की गतिविधियां केकड़े को पहले दिन से ही गलत लग रही थीं और आज केकड़े को लग रहा था उसका शक बिल्कुल सही था।

जब चलते हुए काफी देर हो गई तो केकड़े ने पूछा, 'अभी कितनी दूर है वह झील?'

सारस ने सोचा कि केकड़ा चुप रहने वाला सीधा-सादा जीव है और उसके इरादों को कभी जान नहीं पाएगा। कुछ देर चलने के बाद सारस गुस्से में बोला, 'मूर्ख! तुम क्या समझते हो कि मैं तुम्हारा नौकर हूं। यहां आसपास कोई दूसरी झील नहीं है। मेरी यह योजना तो तुम सभी को अपना आहार बनाने के लिए थी। अब तुम भी तैयार हो जाओ मरने के लिए।'

यह सुनकर केकड़े ने अपनी हिम्मत नहीं तोड़ी। उसने तुरंत अपने तीखे पंजे सारस की गरदन पर गढ़ा दिए और उससे नदी की ओर लौट चलने को कहा। उसने यह भी कहा कि अगर उसने ऐसा नहीं किया तो वह अपने तीखे पंजों से उसकी गरदन तोड़ देगा।

अब नदी की ओर लौट चलने के अलावा सारस के पास और कोई रास्ता न था। नदी किनारे पहुंचते ही केकड़ा उछलकर सारस की पीठ से उतरा और नदी के बचे जीवों को सारस की कारस्तानी से अवगत कराया। यह सुनकर सभी को गुस्सा आ गया और उन्होंने आक्रमण कर सारस को मार डाला।

न्यूज ब्रीफ

श्रीलंका में चीन की मंदिर डिप्लोमेसी : सफेद धोती पहन तमिल हिंदू मंदिर पहुंचे चीनी राजदूत, भारत की इस हरकत पर पैनी नजर

कोलंबो। दो दिन पहले श्रीलंका में चीन के राजदूत ची झेनहोंग ने तमिल बहुल इलाके में स्थित हिंदू मंदिर का दौरा किया। चीनी दूतावास ने इस दौरे तस्वीरें ट्वीट कीं। यह इलाका भारत के लिए भी काफी अहम है। दरअसल, इसी क्षेत्र में तमिलों का हिंसक आंदोलन चला था। भारतीय तमिलों का इस इलाके से भावनात्मक लगाव माना जाता है। यही वजह है कि चीनी राजदूत के मंदिर दौरे पर भारत और इसके एक्सपर्ट्स की नजर है। तस्वीरों में झेनहोंग जाफना के ऐतिहासिक नल्लूर कंडास्वामी कोविल मंदिर के बाहर प्रसाद की टोकरी लिए नजर आ रहे हैं। उन्होंने मंदिर जाने के लिए पारंपरिक परिधान सफेद धोती (जिसे वेष्टि कहा जाता है) पहनी। यहां पुजारियों ने पारंपरिक तमिल हिंदू तरीके से उनका स्वागत किया।

मछुआरों को फिशिंग का सामान गिफ्ट

चीनी दूतावास ने सोशल मीडिया पर कहा- झेनहोंग ने धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का सम्मान करते हुए मंदिर का दौरा किया। उन्होंने मंदिर के लिए दान भी दिया। जाफना पब्लिक लाइब्रेरी को किताबें दान कीं। नॉर्दर्न प्रॉविंसेज के गवर्नर जीवन त्यागराज से मुलाकात कर आपसी सहयोग बढ़ाने और तमिल समुदाय की कमाई बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। चीनी अधिकारियों ने जाफना और मन्नार के मछुआरों को फिशिंग का सामान और फेस मास्क गिफ्ट किए।

भारत के लिए क्यों अहम

तमिल बहुल उत्तरी श्रीलंका भारत के लिए कई मायनों में अहम है। श्रीलंका से अलग देश की मांग को लेकर लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल इलम यानी ख्ल्ञ्ञ्श्च ने यहां पर हिंसक आंदोलन चलाया था। इसी ग्रुप के लोग पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या में भी शामिल थे। चीन श्रीलंका के सिंहली बहुल इलाके में मजबूत पैठ रखता है, लेकिन तमिल बहुल इलाके में उसके इरादे अब तक कामयाब नहीं हो सके हैं। हाल ही में भारत ने इस इलाके में चीनी कंपनी के हाइब्रिड पॉवर प्लान्ट लगाने की योजना को रुकवा दिया था।

क्या है भारत की चिंता

एक्सपर्ट्स का मानना है कि चीन इस इलाके में घुसपैठ कर भारत के हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके अलावा यह इलाका अपनी पहचान को लेकर भी काफी सेंसिटिव रहा है। अगर चीन इस इलाके में अपनी जगह बना लेता है तो वह भारत की समुद्री सीमा के काफी नजदीक पहुंच जाएगा। दक्षिण एशिया में पैठ बनाने के लिए चीन लंबे वक्त से हथकंडे अपनाता रहा है। चीन और पाकिस्तान की दोस्ती तो जगजाहिर है। अब उसकी नजर भारत के दूसरे पड़ोसियों श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार पर भी है।

बेईमान हैं पाक प्रधानमंत्री:सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज का खुलासा- इमरान को घर खर्च के लिए हर महीने 50 लाख रु. भेजता है शुगर माफिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

इमरान खान के करीबी दोस्त और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस वजीउद्दीन अहमद ने उन पर गंभीर आरोप लगाया है। पाकिस्तानी मीडिया में इसकी खूब चर्चा हो रही है। वजीउद्दीन ने एक टीवी शो के दौरान कहा- इमरान को ईमानदार कहना बिल्कुल गलत है। उनके दोस्त जहांगीर तरीन हर महीने 50 लाख पाकिस्तानी रुपए बनी गाला (इस्लामाबाद में इमरान का आलीशान घर) भेजते हैं। पहले ये रकम 20 लाख थी। फिर 30 लाख हुई और अब 50 लाख रुपए हो चुकी है। जहांगीर तरीन पाकिस्तान के शुगर माफिया कहे जाते हैं और इमरान के करीबी दोस्त हैं। अक्सर उनके लिए प्राइवेट फ्लाइट अरेंज करते हैं। डॉन न्यूज के

मुताबिक, वजीउद्दीन सिंध हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रह चुके हैं। बाद में वो सुप्रीम कोर्ट जज बने। रिटायर होने के बाद सियासत में आ गए। उस वक्त इमरान खान तब्दीली सरकार का नारा बुलंद कर रहे थे और वजीउद्दीन उनके पुराने दोस्त थे। लिहाजा, वजीउद्दीन भी 2011 में इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में शामिल हो गए। 2015 में उन्होंने PTI को माफिया पार्टी बताते हुए इस्तीफा दे दिया। वजीउद्दीन का शुमार पाकिस्तान के सबसे ईमानदार और साफ बोलने वाले जजों में होता है। उनके आर्टिकल भी पाकिस्तान और दूसरे देशों के न्यूज पेपर्स में पब्लिश होते रहते हैं। इमरान खान इस्लामाबाद के खूबसूरत पहाड़ी इलाके जिसे बनी गाला कहा जाता है, वहां पत्नी बुशरा बीबी के साथ रहते हैं।

इजराइली संसद के 4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव नेतन्याहू सहित 130 लोगों को क्वारैंटाइन किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

इजराइली संसद के 4 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव आने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित 130 लोगों को क्वारैंटाइन कर दिया है। इनमें से एक संक्रमित को कोरोना वायरस का कैरियर माना जा रहा है। इजराइली मीडिया के मुताबिक नेतन्याहू संसद की जिम में जिस ट्रेनर से पर्सनल ट्रेनिंग लेते थे, वह संक्रमित पाया गया है।

फाइजर वैक्सीन के 3 डोज भी ओमिक्रॉन से नहीं बचा सके

अमेरिका से मुंबई आने वाला एक 29 साल का शख्स ओमिक्रॉन पॉजिटिव पाया गया है, हालांकि उसमें अभी ओमिक्रॉन के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। उसे सावधानी के तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बृहनमुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को जानकारी दी कि व्यक्ति ने अमेरिका में फाइजर की तीन वैक्सीन लगवाई थीं। मुंबई एयरपोर्ट पर 9 नवंबर को किए गए कोविड-19 टेस्ट में वह पॉजिटिव पाया गया, जिसके बाद उसके सैंपल को जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजा गया। उसके दो हाई-रिस्क कॉन्टैक्ट कोरोना टेस्ट में निगेटिव पाए गए हैं। कोरोना का नया वैरिएंट ओमिक्रॉन दुनियाभर के 91 देशों में फैल चुका है। देर शाम महाराष्ट्र में 8, क्ष और गुजरात में 2-2 नए मरीज मिले हैं। इस तरह देश में मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 113 हो गई है।

मुंबई के स्कूल में कोरोना ब्लास्ट, एक साथ 16 बच्चे पॉजिटिव

कोरोना और उसके बाद ओमिक्रॉन से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में वायरस का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। अब नवी मुंबई के एक स्कूल में 16 बच्चों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। BMC अधिकारियों ने मामले का पता लगने के बाद स्कूल मैनेजमेंट से संपर्क किया है। जानकारी दी गई है कि फिलहाल सभी बच्चों को आइसोलेशन में रखा गया है। उनके स्वास्थ्य की जांच की जा रही है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की दहशत बढ़ती जा रही है। शहर में लगातार नए मरीज मिल रहे हैं। इसके बाद भी भोपाल से पिछले महीने नए वैरिएंट की जांच के लिए भेजे गए 30 सैंपल की रिपोर्ट अभी तक स्वास्थ्य विभाग को नहीं मिली है। मप्र के किसी भी सरकारी मेडिकल कॉलेज में जीनोम सीक्वेंसिंग जांच की सुविधा नहीं होने से भी यह हालत बन रहे हैं। यदि मप्र में जीनोम सीक्वेंसिंग शुरू हो जाए तो 48 घंटे में रिजल्ट स्वास्थ्य विभाग को मिलने लगेगा। गौरतलब है कि मप्र में सबसे ज्यादा 70 एक्टिव मरीज भोपाल में हैं। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने 16 नवंबर से 30 नवंबर के बीच करीब 50 सैंपल जांच के लिए भेजे थे।

नेपाल सरकार ने आदेश दिया है कि 67 देशों से नेपाल जाने वाले यात्रियों को अपने खर्च पर 7 दिन के लिए होटल में क्वारैंटाइन होना पड़ेगा। सात दिन के बाद अगर उनकी कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आती है तो उन्हें 7 और दिन के लिए होम क्वारैंटाइन होना पड़ेगा। अगर रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो आइसोलेशन सेंटर या अस्पताल भेजा जाएगा।

ब्रिटेन में एक दिन में मिले 93 हजार से ज्यादा केस

ब्रिटेन में लगातार तीसरे दिन कोरोना के मामलों ने नया रिकॉर्ड बनाया। यहां शुक्रवार को 93 हजार से ज्यादा लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन में बुधवार को 78,610, गुरुवार को 88,376 और शुक्रवार को सबसे ज्यादा 93,045 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 111 मरीजों ने दम तोड़ दिया।

नीति आयोग ने कहा- भारत में ब्रिटेन जैसा संक्रमण फैला तो तीसरी लहर में रोजाना 14 लाख तक केस आ सकते हैं

वाशिंगटन। दुनियाभर में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच देश में नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने चिंता जाहिर की है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ पॉल ने कहा कि अगर हम ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के संक्रमण का पैमाना देखें और भारत की आबादी से उसकी तुलना करें तो कहा जा सकता है कि संक्रमण फैलने पर भारत में रोजाना 14 लाख केस आएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हर केस की जीनोम सीक्वेंसिग नहीं की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते केस के लिए ओमिक्रॉन संक्रमण माना जा रहा है, लेकिन यह इसे लेकर अभी सारी बातें साफ नहीं हुई हैं। इस पर रिसर्च जारी है और सरकार सभी नए डेवलपमेंट पर नजर बनाए हुए है। ऐसा कहा जा रहा है कि ओमिक्रॉन स्ट्रेन हल्का इंफेक्शन ही फैलाता है। उन्होंने यूरोप में ओमिक्रॉन के संक्रमण की रफ्तार को हाईलाइट किया और भारत की आबादी से उसकी तुलना की।

हर सैंपल की जीनोम सीक्वेंसिंग संभव नहीं

डॉ. पॉल ने कहा कि दुनिया में दूसरे नंबर पर भारत में जीनोम सीक्वेंसिंग की जा रही है और इसे लगातार बढ़ाया ही जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर केस की जीनोम सीक्वेंसिंग करना संभव नहीं होगा। यह बीमारी को पहचानने का नहीं, बल्कि महामारी का आंकलन और इसकी निगरानी करने का टूल है। हम इस बात का भरोसा दिला सकते हैं कि फिलहाल पर्याप्त सिस्टेमैटिक सैंपलिंग की जा रही है। शुक्रवार को ब्रिटेन ने ओमिक्रॉन के 3,201 केस दर्ज कराए। यह ओमिक्रॉन की पहचान होने के बाद ब्रिटेन में एक दिन में मिले सबसे ज्यादा केस हैं। यहां नए वैरिएंट के कुल मामले 14,909 हो गए हैं। ब्रिटेन की हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी ने भी कहा कि देश में पिछले 24 घंटे में 93,045 कोरोना केस दर्ज कराए गए हैं। लगातार तीसरे दिन यहां सबसे ज्यादा मामलों का रिकॉर्ड बना है। इसके साथ ही देश में कोरोना के कुल 1.19 करोड़ केस हो गए हैं। फ्रांस में शुक्रवार को 65 हजार से ज्यादा कोरोना केस सामने आए।

यूएस ने दिखाया पाक को आईना

भारत को निशाना बना रहे आतंकी पाकिस्तान में सक्रिय मुंबई-पुलवामा हमलों के मास्टरमाइंड आजाद घूम रहे

अमेरिका ने 'कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टैररिज्म 2020' में पाकिस्तान को आतंकवाद रोकने के मामले में 'फेल स्टेट' करार दिया है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तानी धरती पर सक्रिय आतंकी संगठन अब भी लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं और पाकिस्तान ऐसे संगठनों पर लगाम लगाने में नाकाम रहा है। पाकिस्तान को ये आईना अमेरिका ने दिखाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की कंट्री रिपोर्ट्स ऑन टैररिज्म 2020 में साफतौर पर पाकिस्तान को आतंकवाद रोकने के मामले में फेल्ड स्टेट करार दिया है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि जैश-ए-मोहम्मद के फाउंडर मसूद अजहर और लश्कर-ए-तैयबा के साजिद मीर जैसे 2008 के मुंबई हमले और 2019 के पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड आतंकी पाकिस्तान में आजाद घूम रहे हैं। पाकिस्तान इनके समेत किसी भी आतंकी को सजा देने में नाकाम रहा है।

अपने आतंकी और दूसरे आतंकी का फर्क करता है पाकिस्तान:- रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान आतंकियों को अपने और दूसरे कैटेगरी में रखकर अंतर करता है। पाकिस्तान के अंदर हमले करने वाले तहरीक-ए-तालिबान , ISIA-K और बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे संगठनों के खिलाफ वहां की सेना व अन्य सुरक्षा बल लगातार कठोर कार्रवाई करते रहते हैं। दूसरी तरफ अन्य आतंकी संगठन, खासतौर पर भारत में आतंकवाद फैला रहे संगठन पाकिस्तानी धरती से बेरोकटोक अपनी हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, पाकिस्तान ने अपने 2015 के नेशनल काउंटर टैररिज्म एक्शन प्लान के सबसे मुश्किल पहलू पर बेहद सीमित प्रोग्रेस की है। खासतौर पर सभी आतंकी संगठनों को बिना किसी भेदभाव और देरी के कार्रवाई कर खत्म करने में पाकिस्तान फेल रहा है।

हाफिज सईद की सजा का उदाहरण दिया

रिपोर्ट में लश्कर-ए-ताएबा के फाउंडर हाफिज सईद के खिलाफ पाकिस्तानी अदालतों में कार्रवाई के दिखावे का उदाहरण दिया गया है। रिपोर्ट में याद दिलाया गया है कि कैसे सईद को टैरर फंडिंग के कई आरोपों में पहले फरवरी में 5 साल और फिर नवंबर में 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान अपने यहां रह रहे दूसरे आतंकी लीडर्स को सजा देने में फेल रहा है। इनमें जैश फाउंडर मसूद अजहर और 2008 मुंबई अटैक का मास्टरमाइंड साजिद मीर भी शामिल हैं।

रायबरेली में विजय रथ यात्रा के दौरान समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव।

ढाका के ऐतिहासिक मंदिर में 50 साल बाद बजी घंटियां

राम नाथ कोविंद ने किया काली मंदिर का उद्घाटन, पाकिस्तानी सेना ने लगा दी थी आग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज ढाका

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने शुक्रवार को ढाका में ऐतिहासिक श्री रमना काली मंदिर का उद्घाटन किया। 50 साल पहले 1971 की जंग में पाकिस्तान की सेना ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। इस मंदिर को फिर से बनाया गया है। राष्ट्रपति ने इस मंदिर को भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जुड़ाव का प्रतीक बताया। बांग्लादेश की आजादी के 50 साल पूरे होने पर राष्ट्रपति कोविंद बांग्लादेशी राष्ट्रपति एम अब्दुल हामिद के निमंत्रण पर बांग्लादेश आए हैं। मंदिर उद्घाटन के दौरान राष्ट्रपति के साथ उनकी पत्नी सविता कोविंद भी मौजूद रहीं। 1971 में पाकिस्तानी सेना ने बांग्ला स्वतंत्रता आंदोलन को दबाने के लिए %ऑपरेशन सर्चलाइट% लाइट चलाया था, इसी के दौरान मंदिर में आग लगा दी गई थी और उसमें रहने वाले बहुत से लोगों की हत्या की गई थी। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने इसे दोनों देशों के लिए भावनात्मक क्षण बताया है। मंदिर के पुनर्निर्माण में भारत ने भी मदद की है।

कोविंद बोले- ये मेरे लिए मां काली का आर्शीवाद

मंदिर उद्घाटन के बाद कोविंद ने कहा- आज मुझे ऐतिहासिक रमना काली मंदिर के उद्घाटन सौभाग्य मिला। मैं इसे मां काली के आशीर्वाद के रूप में देखता हूं। मुझे बताया गया है कि बांग्लादेश और भारत की सरकारों और लोगों ने मंदिर को बहाल करने में मदद की। भारतीय राष्ट्रपति ने कहा- यह मंदिर भारत और बांग्लादेश के लोगों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक बंधन का प्रतीक है। यह मेरी बांग्लादेश यात्रा के शुभ समापन का प्रतीक है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बांग्लादेश स्वंतत्रता के 50 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर ढाका पहुंचे थे। इस यात्रा के दौरान बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने भी राष्ट्रपति कोविंद से मुलाकात की।

हैदराबाद के पास डुंडीगल में वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड के दौरान कैडेट्स मार्च।

न्यूज ब्रीफ

स्टेडियम में दर्शकों ने लगाई आग, बीच में ही रोकना पड़ा मैच

पेरिस। दर्शकों की हिंसा के कारण लियोन और पेरिस एफसी के बीच खेले गए फ्रेंच कप फुटबॉल मैच को बीच में रोकना पड़ा। मैच के मध्यांतर के समय जब स्कोर 1-1 की बराबरी पर था तभी दोनों टीम के समर्थक दर्शक दीर्घा में एक-दूसरे से भिड़ गए। इस दौरान स्टेडियम में कुछ जगहों पर आग भी लगा दी गई। स्टेड चार्लेटी स्टेडियम में दूसरे हाफ की शुरुआत में लगभग 50 मिनट की देरी हुई। इसके बाद भी जब स्थिति नियंत्रित नहीं हुई तो स्टेडियम के अधिकारियों ने मैच स्थगित करने की घोषणा कर दी। पेरिस एफसी के अध्यक्ष पियरे फेरेसी ने इस घटना के लिए लियोन को दोषी करार दिया तो वही लियोन के अध्यक्ष जीन-मिशेल औलास ने अपने क्लब के समर्थकों का बचाव किया।

एशियाई चैम्पियन्स ट्रॉफी: सेमीफाइनल में जगह तय कर चुके भारत का सामना जापान से

ढाका। सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के बाद गत चैम्पियन भारत रविवार को यहां एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट के अपने आखिरी राउंड रोबिन मैच में रविवार को जब जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगा तो टीम की कोशिश जीत के क्रम जारी रखने की होगी। टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत के बाद ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने लगातार दो जीत के साथ पांच टीमों के टूर्नामेंट में लय हासिल कर ली। ओलंपिक के ऐतिहासिक अभियान के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही भारतीय टीम को शुरुआती मैच में कोरिया ने 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। टीम ने इसके बाद हालांकि शानदार वापसी की और मेजबान बांग्लादेश को 9-0 से रौंदने के बाद शुक्रवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 3-1 से हरा दिया। भारत तीन मैचों में सात अंक के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है। कोरिया (पांच) दूसरे, जापान (दो) तीसरे और पाकिस्तान (एक) के साथ चौथे स्थान पर है। टूर्नामेंट में खिताब के दावेदार के तौर पर आयी भारतीय टीम अपनी मौजूदा लय और विश्व रैंकिंग के मामले में अन्य टीमों से काफी आगे है। कोरिया ने हालांकि शुरुआती मैच में उसकी दो गोल की बढ़त को खत्म कर मैच को बराबरी पर रोक दिया था। कोरिया के खिलाफ मैच भारतीयों के लिए एक तरह से चेतावनी की तरह था। टीम बांग्लादेश के खिलाफ पूरी तरह से अलग दिखी और मैच के 60 मिनट तक मैदान में उसका दबदबा कायम रहा। पड़ोसी पाकिस्तान के खिलाफ मैच के करीबी मुकाबला होने की उम्मीद थी और आखिरी दो क्वार्टर में ऐसा ही हुआ। इस मैच में भारत के दबदबे का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पाकिस्तान पहले दो क्वार्टर में पेनल्टी कार्नर हासिल करना तो दूर गोल पर एक भी शॉट लगाने में कामयाब नहीं रहा।

विराट-गांगुली के फैंस भिड़े:दादा के चहेतों ने कहा- देश आपके साथ खड़ा; कोहली प्रशंसक बोले- विराट का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

विराट कोहली को जब से वनडे में कप्तानी के पद से हटाया गया है, टीम इंडिया में मानों भूचाल सा आ गया है। कोहली और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली के बीच आपसी विवाद की बातें अब खुलेआम सामने आ रही हैं। अब इसको लेकर दोनों के फैंस भी आपस में भिड़ गए हैं। सौरव गांगुली के लिए उनके एक फैन ने फोटो शेयर कर लिखा- जो भी हो मैं बचपन से दादा का फैन हूं और पूरी उम्र उनका ही फैन रहूंगा। पूरा देश गांगुली के साथ खड़ा है। गांगुली के समर्थक यहीं नहीं रुके उन्होंने एक अन्य ट्वीट में लिखा- जिस आदमी ने भारत को सहवाग, युवराज, धोनी, जहीर और हरभजन जैसे खिलाड़ी दिए, उस दिग्गज के साथ पूरा देश खड़ा है।

कोहली पर फैसला बीसीसीआई लेगी

गुरुवार को गांगुली से पत्रकारों ने पूछा कि साउथ अफ्रीका दौरे के बाद विराट कोहली के खिलाफ कोई कार्रवाई होगी? इसको लेकर गांगुली ने कहा, %मुझे कुछ नहीं कहना है, यह बीसीसीआई का मामला है और उन्हें ही इससे निपटना है। हम इसे आगे नहीं बढ़ाते हैं, मुझे इस बारे में कुछ नहीं कहना है। दो दिन पहले भी जब पत्रकारों ने गांगुली से कोहली के बारे में सवाल किया था तो उन्होंने यही बयान दिया था कि कोहली से बीसीसीआई ही निपटेगा।

अब तक हुआ क्या है?

बीसीसीआई की सीनियर सिलेक्शन कमेटी ने रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की। विराट वनडे की कप्तानी नहीं छोड़ना चाहते थे। इस पर गांगुली ने कहा कि बोर्ड ने उनसे सितंबर में ही कहा था कि अगर वे टी-20 की कप्तानी छोड़ेंगे तो वनडे में उन्हें कप्तान बनाए रख पाना मुश्किल होगा। इसलिए वे टी-20 में कप्तान बने रहें। गांगुली के मुताबिक, विराट ने ऐसा करने से मना कर दिया और फिर बीसीसीआई के पास विराट से वनडे कप्तानी लेने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया था। बकौल गांगुली WHITE BALL क्रिकेट में दो कप्तान नहीं हो सकते हैं।

विराट को तनाव से निकाल रहे द्रविड़

अफ्रीका में टीम इंडिया की ट्रेनिंग शुरू, कोच-कैप्टन ने मैदान पर जमकर की मस्ती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया टेस्ट और वनडे सीरीज खेलने के लिए साउथ अफ्रीका पहुंच चुकी है। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 26 दिसंबर से शुरू होगा। बीसीसीआई ने भारतीय टीम के पहले प्रैक्टिस सेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, जिसमें टेस्ट कैप्टन विराट कोहली और हेड कोच राहुल द्रविड़ टीम के साथ फुटबॉल खेलते नजर आ रहे हैं। बीसीसीआई और कोहली के बीच चल रहे विवाद के बीच कोहली प्रैक्टिस सेशन में एक्शन में नजर आए। उन्होंने जमकर अभ्यास किया और कोच द्रविड़ के साथ जमकर मस्ती भी की।

द्रविड़ और कोहली का मुकाबला

प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम ने काफी समय तक फुटबॉल और वॉलीबॉल खेला। खेल के दौरान द्रविड़ और कोहली कई बार एक दूसरे से हैंड शेक करते और हंसी मजाक करते नजर आए। इतना ही नहीं, द्रविड़ और विराट की टीम के बीच एक मुकाबला भी हुआ।

जल्द शुरू होगी ट्रेनिंग

बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में टीम के स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई ने कहा- 3 दिन तक हम मुंबई में कड़े क्वारंटाइन में थे। 10 घंटे की लंबी फ्लाइट के बाद हम यहां पहुंचे और एक दिन तक फिर क्वारंटाइन में रहे। अभी खिलाड़ियों ने रनिंग के अलावा स्किल्स पर अधिक जोर दिया। ट्रेनिंग अगले कुछ दिनों में शुरू होगी। इससे उन्हें खेल पर फोकस करने में मदद मिलेगी।

अब तक हुआ क्या है?

साउथ अफ्रीका दौरे से पहले बीसीसीआई की सीनियर सिलेक्शन कमेटी ने रोहित शर्मा को वनडे और टी-20 टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की। अब विराट सिर्फ टेस्ट की कमान संभालेंगे। हालांकि, रोहित के कैप्टन बनाए जाने के बाद इस तरह की खबरें सामने आई थीं कि कोहली वनडे की कप्तानी छिनने से गुस्से में हैं और वनडे सीरीज के लिए आराम भी लेंगे। टीम में कोहली और रोहित के बीच विवाद की खबरें भी सामने आई थीं। हालांकि, साउथ अफ्रीका पहुंचने के बाद जिस तरह से विराट कोहली टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ मस्ती करते नजर आए ये साफ दर्शाता है कि टीम में फिलहाल सब कुछ सही है।

साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज के लिए रोहित की जगह राहुल होंगे टीम के उपकप्तान

26 दिसंबर से शुरू होंगे मुकाबले

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच 26 दिसंबर से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होने जा रहा है। चोटिल रोहित शर्मा के टेस्ट सीरीज से बाहर होने के बाद अनुभवी सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को टेस्ट टीम का नया उपकप्तान बनाया गया है। क्ष्टष्टढ्ढ के सूत्र ने ह्लढ्ढ से कंफर्म किया है कि राहुल साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए टेस्ट टीम के उपकप्तान होंगे। केएल राहुल मौजूदा समय में बहुत ही शानदार फॉर्म में हैं। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में राहुल ने अपनी उपयोगिता साबित की है। इंग्लैंड दौरे से उनको टेस्ट टीम में वापसी का मौका मिला था और उन्होंने 8 पारियों में 39.38 की औसत के साथ कुल 315 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया के झे रिचर्डसन, इंग्लैंड के जो रूट, केंद्र के रूप में इंग्लैंड के लिए गेंदबाजी करते हैं, ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में अपने एशेज क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन के दौरान दौड़ने की तैयारी करते हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते है
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में छाए इंडियंस 20 साल के लक्ष्य सेन सेमीफाइनल में पहुंचे

अब श्रीकांत से होगा मुकाबला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स में भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। 20 साल युवा स्टार लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। अब इनका आपस में मुकाबला होना है। यानी एक भारतीय का फाइनल में पहुंचना तय है। हालांकि, वीमंस सिंगल्स में भारत के हाथ निराशा लगी। दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु क्वार्टर फाइनल में हार गईं। धु को नंबर-1 सीड चीनी चाइपे की ताइ जू यिंग ने लगातार गेम में 21-17, 21-13 से हराया। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनल में भी सिंधु को

ताइ जू से ही हार मिली थी। पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में भारत के किदांबी श्रीकांत ने नीदरलैंड के मार्क क्लाजाउ को आसानी से 21-8, 21-7 से हरा दिया। यह मैच महज 26 मिनट तक चला। इसके ठीक बाद लक्ष्य सेन ने चीन के झाओ जुन पेंग को 1 घंटा, 7 मिनट तक चले मुकाबले में 21-15, 15-21, 22-20 से हरा दिया।

पहली बार चार खिलाड़ी [ार्टर फाइनल में पहुंचे

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप में पहली बार भारत के चार खिलाड़ी एक साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए हैं। पीवी सिंधु और किदांबी श्रीकांत के अलावा एच एस प्रणॉय क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल हुए हैं। एचएस प्रणॉय ने 10वीं रैंक डेनमार्क के रासमस गेमके को कड़े मुकाबले में 16-21, 21-8, 22-20 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्का किया। वहीं लक्ष्य सेन ने टोक्यो ओलिंपिक के सेमीफाइनलिस्ट गुआटेमाला के केविन कॉर्डन को बिना 21-13, 21-8 से हराकर अंतिम 8 में जगह बनाई थी।

न्यूज ब्रीफ

बाजार में भारी गिरावट:विदेशी ब्रोकरेज हाउस ने 6 शेयर्स में दी निवेश की सलाह, जानिए किसमें मिलेगा कितना रिटर्न

नईदिल्ली। शेयर बाजार में भारी गिरावट ने कई शेयर्स में निवेश का मौका ला दिया है। विदेशी ब्रोकरेज हाउस मैक्वायरी ने कहा कि इस समय 5 ऐसे स्टॉक हैं, जिनमें अच्छा रिटर्न मिल सकता है।

सभी लार्ज कैप शेयर हैं

ये लार्ज कैप स्टॉक हैं। इन शेयर्स में मिड और स्माल कैप की तुलना में अच्छी खासी सुरक्षा है। इस ब्रोकरेज हाउस ने जिन शेयर्स को खरीदने की सलाह दी है, उसमें टाटा मोटर्स, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एयरटेल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम और HDFC बैंक हैं।

अल्ट्राटेक में 25 फीसदी का रिटर्न

इसने अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर को 9,147 रुपए के लक्ष्य पर खरीदने की सलाह दी है। यह अभी 7,335 रुपए पर कारोबार कर रहा है। इसमें 25 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसे खरीदने की सलाह इसलिए दी गई है क्योंकि कंस्ट्रक्शन बढ़ने की वजह से सीमेंट की मांग बढ़ी है। साथ ही इंफ्रा प्रोजेक्ट भी देश में जोरों पर चल रहा है।

टाटा मोटर्स जा सकता है 567 पर

टाटा मोटर्स के शेयर में 20 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसे 567 रुपए के लक्ष्य पर खरीदने की सलाह दी गई है। यह शेयर इस समय 470 रुपए पर कारोबार कर रहा है। इसको इसलिए खरीदा जा सकता है, क्योंकि कमर्शियल और पैसेंजर व्हीकल में रिकवरी दिख रही है। साथ ही कंपनी की नई लॉन्चिंग की मांग भी है।

शहरी गैस आपूर्ति के लिए लगी बोलियों से 80,000 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद

नई दिल्ली। देश के 61 भौगोलिक क्षेत्रों में शहरी गैस आपूर्ति का ढांचा खड़ा करने में करीब 80 पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस नियामकीय बोर्ड (पीएनजीआरबी) ने जम्मू, नागपुर, पठानकोट और मदुरै समेत 65 शहरी इलाकों में गैस आपूर्ति का ढांचा खड़ा करने के लिए हाल ही में बोलियां आमंत्रित की थी। इन शहरों में गैस आपूर्ति ढांचा तैयार करने में करीब 80,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। तेल एवं गैस क्षेत्र की इस नियामकीय संस्था ने अपने एक बयान में कहा है कि शहरी गैस आपूर्ति का लाइसेंस देने के 11वें दौर की नीलामी में 65 भौगोलिक क्षेत्रों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं। ये क्षेत्र 19 राज्यों एवं एक केंद्रशासित क्षेत्र के 215 जिलों में फैले हुए हैं। इन इलाकों में देश की शहरी आबादी का 26 प्रतिशत हिस्सा रहता है। पीएनजीआरबी ने कहा, ''इस दौर में निवेशकों से काफी तगड़ी प्रतिक्रिया मिली है। इस दौर में 61 भौगोलिक क्षेत्रों के लिए 430 बोलियां लगाई गई हैं। इन बोलियों को 22 दिसंबर तक खोला जाएगा।'' इस दौर में 65 भौगोलिक क्षेत्रों के लिए बोलियां आमंत्रित की गई थीं लेकिन 61 क्षेत्रों के लिए ही बोलियां आई हैं।

क्रिप्टो पर आरबीआई की मीटिंग : रिजर्व बैंक के बोर्ड मेंबर्स बोले-

क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगे; प्रधानमंत्री मोदी पहले ही इस पर चिंता जता चुके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ने अपने केंद्रीय बोर्ड से कहा है कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से बैन लगा देना चाहिए। शुक्रवार को आरबीआई की हुई बैठक में यह बात कही गई। इससे पहले, सरकार ने भी संसद के मौजूदा सत्र में क्रिप्टोकरंसी के रेगुलेशन के लिए बिल लाने की तैयारी की थी, लेकिन वह फिलहाल टल गया है। आरबीआई के सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की यह बैठक बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में लखनऊ में हुई थी। मीटिंग के बाद जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि इसमें डिजिटल करेंसी और निजी क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े कई मामलों पर चर्चा की गई। सूत्रों ने जानकारी दी है कि आरबीआई के आंतरिक सदस्य प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी के पक्ष में नहीं हैं और इस पर सख्ती से पाबंदी लगाना चाहते हैं।

क्रिप्टो करंसी की अस्थिरता चिंता का विषय

मीटिंग में आरबीआई के ज्यादातर सदस्यों ने निजी क्रिप्टोकरेंसी और वित्तीय स्थिरता पर उसके असर के बारे में चिंता जताई। साथ ही बैंक और सरकार की तरफ से इसके रेगुलेशन के लिए सख्त कदम उठाने के बारे में भी चर्चा की। बोर्ड मेंबर्स ने समानांतर करंसी से जुड़े वित्तीय जोखिम पर भी बातचीत की।

प्रधानमंत्री मोदी भी इस पर चर्चा कर चुके

रिजर्व बैंक ने बोर्ड के सामने क्रिप्टोकरंसी की मौजूदगी और इसके असर को लेकर डीटेल्ड प्रेजेंटेशन दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले में कई चरणों में चर्चा की थी। इससे पहले, जुलाई 2019 में एक हाई लेवल सरकारी पैनल भी सभी तरह की क्रिप्टोकरेंसी को बैन करने की वकालत कर चुका है। इसने क्रिप्टोकरेंसी में डील करने पर 25 करोड़ रुपए फाइन और 10 साल की सजा की सिफारिश की थी।

गोपीनाथ ने कहा, रेगुलेशन बने

रिजर्व बैंक की मीटिंग से एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक कोष (ढ्डरूस्न) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा था कि क्रिप्टो पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की बजाय इसे रेगुलेशन के दायरे में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं को इस डिजिटल टोकन को बैन करने की बजाय बेहतरीन तरीके से रेगुलेट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस पर एक वैश्विक पॉलिसी बननी चाहिए।

इस सत्र में मुश्किल है बिल का आना

उधर, खबर है कि सरकार क्रिप्टोकरेंसी पर इस सत्र में बिल लाने के मामले को टाल सकती है। संसद का सत्र अगले हफ्ते खत्म हो जाएगा और फिर अगला सत्र बजट का शुरू हो जाएगा। इसके बाद 5 राज्यों की चुनावी गहमागहमी शुरू हो जाएगी। माना जा रहा है कि सरकार चुनाव के बाद इस बिल को संसद में ला सकती है। केंद्रीय बैंक ने बार-बार क्रिप्टोकरेंसी के खिलाफ अपने मजबूत विचारों को रखा है। उसका कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी देश की मैक्रोइकॉनॉमिक और वित्तीय स्थिरता के खिलाफ बड़ा खतरा है। उसने क्रिप्टोकरेंसी पर ट्रेडिंग करने वाले निवेशकों की संख्या और उनकी क्लेम की गई मार्केट वैल्यू पर भी संदेह किया है।

इस हफ्ते सोना-चांदी हुए महंगे, सोना 49 और चांदी 62 हजार के करीब पहुंची

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इस हफ्ते सोने-चांदी में अच्छी तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 642 रुपए महंगा होकर 48,791 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इस हफ्ते की शुरुआत में यानी 13 दिसंबर को ये 48,109 रुपए पर था।

चांदी भी 62 हजार के करीब पहुंची

IBJA की वेबसाइट के अनुसार के अनुसार इस हफ्ते चांदी में भी अच्छी तेजी देखने को मिली है, और इसी का नतीजा है कि ये फिर एक बार 62 हजार के करीब

पहुंच गई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 60,941 रुपए पर थी जो अब 61,811 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 870 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

पिछले साल के मुकाबले सोना हजार से ज्यादा सस्ता

पिछले साल कोरोना की पहली और दूसरी लहर में सोने के दाम तेजी से बढ़े थे। इसी के चलते 18 दिसंबर 2020 को सोना 50194 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया था। हालांकि इससे पहले अगस्त में सोने ने 56 हजार का भाव पार कर लिया था। लेकिन कोरोना की वैक्सीन आने के बाद सोने के भाव में गिरावट आने लगी थी। ढ्ढढ्डस्न्रु सिक्योरिटीज के कमोडिटी एंड करेंसी ट्रेड के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि कई देशों में ओमिक्रॉन तेजी से पैर पसार रहा है। इसके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में सोने में तेजी रहने की उम्मीद है। ये दिसंबर आखिर तक 50 हजार तक पहुंच सकता है।

क्यों बढ़ रहे सोने के दाम?

फेडरल रिजर्व समेत दुनिया के प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने प्रोत्साहन पैकेज वापस लेने और ब्याज दरें बढ़ाने के संकेत दिए हैं। इसके अलावा ओमिक्रॉन के खतरे और महंगाई बढ़ने से सोने में मजबूती आई है। डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से भी सोना महंगा हो रहा है।

पवन हंस के लिए सरकार को मिलीं कई वित्तीय बोलियां

नई दिल्ली। खस्ताहाल हेलीकॉप्टर संचालक पवन हंस लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए सरकार को कई वित्तीय बोलियां मिली हैं जिससे इस सार्वजनिक उपक्रम की विनिवेश प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) में सचिव तुहीन कांत पांडे ने एक ट्वीट में कहा, ''पवन हंस के विनिवेश के लिए वित्तीय बोलियां लेनदेन सलाहकार को प्राप्त हो गई हैं। प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है।'' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि पवन हंस के लिए कितनी बोलियां प्राप्त हुई हैं। सरकार पवन हंस में अपनी 51 फीसदी की समूची हिस्सेदारी बेच रही है। बाकी 49 फीसदी हिस्सेदारी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) के पास है और वह भी अपनी पूरी हिस्सेदारी बेचना चाहती है।

केंद्रीय बैंकों के रुख से गिरा बाजार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के सतर्क रुख और ओमीक्रोन के प्रसार की चिंता के बीच बेंचमार्क सूचकांकों में आज तेज गिरावट आई। सेंसेक्स 889 अंक लुढ़ककर 57,011 पर बंद हुआ। 6 दिसंबर के बाद सेंसेक्स में यह एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट है। निफ्टी भी 263 अंक फिसलकर 16,985 पर बंद हुआ। दस दिन के बाद निफ्टी फिर 17 हजार के नीचे चला गया। बैंक ऑफ इंगलैंड ने मुद्रास्फीति को काबू में रखने के लिए गुरुवार को ब्याज दर में इजाफा कर दिया। हाल में ब्याज दर बढ़ाने वाला यह पहला केंद्रीय बैंक है। बैंक ऑफ इंगलैंड के गवर्नर ने कहा कि मुद्रास्फीति में आगे चौंकाने वाली तेजी की आशंका है। बीते बुधवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने कहा था कि वह मासिक बॉन्ड खरीद दोगुनी रफ्तार से घटाएगा। फेडरल रिजर्व 2022 की शुरुआत में ही बॉन्ड खरीद कार्यक्रम बंद करने की योजना बना रहा है, जबकि पहले 2022 के मध्य तक ऐसा करने की योजना थी। फेडरल रिजर्व ने उम्मीद से जल्दी ब्याज दरें बढ़ाने के भी संकेत दिए हैं। विश्लेषकों का कहना है कि केंद्रीय बैंकों की प्राथमिकता मुद्रास्फीति को काबू में करने की है और इसके लिए नरम मौद्रिक नीति को सहारा देना बंद किया जा रहा है। केंद्रीय बैंकों के इस कदम से शेयर बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, जो मार्च के निचले स्तर से करीब दोगुना चढ़ चुका है। अल्फानीति फिनटेक के संस्थापक यूआर भट्ट ने कहा, %केंद्रीय बैंक कह रहे हैं कि मुद्रास्फीति थोड़े समय के लिए है। लेकिन शायद यह बनीरहेगी। बाजार नीतियों को सख्त बनाने और दरों में समय से पहले वृद्धि की उम्मीद नहीं कर रहा था। भारत में थोक मुद्रास्फीति उच्चतम स्तर पर है। ऐसे में भारतीय रिजर्व बैंक कभी भी दर बढ़ाना शुरू कर सकता है। इस बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक लगातार बिकवाली कर रहे हैं और खुदरा निवेशकों की लिवाली से ही बाजार को थोड़ा सहारा मिल रहा है।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर खरा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे है,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

सैलानियों का ठिकाना महामारी में पड़ा सूना

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अपराह्न के करीब ढाई बजे हैं। विवेक कनौजिया दीवार में लगने वाली सिरैमिक की खूंटी को एहतियात से लपेट रहे हैं, जिसकी कीमत आज की उनकी दूसरी ग्राहक अलीना के लिए 100 रुपये है। वह रूस से आई हैं। वह ऐसी पहली विदेशी ग्राहक भी हैं, जो कुछ देर के लिए उनकी कलाकृतियों की दुकान पर रुकी हैं। दो साल पहले की बात होती, तो कनौजिया दिन के इस समय तक व्यस्तता भरे कुछ घंटे बिता चुके होते, ग्राहकों के लगातार तांते को संभालते हुए, जिनमें से ज्यादातर विदेशी होते हैं। अपने सामान को उदासी से निहारते हुए वह कहते हैं %अब मैं बस बैठा ही रहता हूं और अपना सामान झाड़ता-पोंछता रहता हूं।% उनकी दुकान के बाहर गली तकरीबन सुनसान पड़ी है। इस बात पर यकीन करना मुश्किल है कि यह पहाडग़ंज है, जो किसी सामान्य समय में जीता-जागता पर्यटन केंद्र होता है, भारतीय और विदेशी दोनों के ही लिए। शायद एक ऐसी जगह, जैसी देश में दूसरी न हो। इसका वजूद मुगल काल के वक्त का है, जब शाहजहानाबाद

(वर्तमान में पुरानी दिल्ली) का दीवारों वाला शहर आसपास के इलाकों में फैल गया था। आधुनिक पहाडग़ंज को हिप्पी हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना जाता है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से कुछ फलांग दूर स्थित यह एक ऐसी अनूठी अर्थव्यवस्था है, जो यात्रियों और किफायत बरतने वाले मुसाफिरों की वजह से पनपी है। लेकिन महामारी की वजह से अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों ही तरह की यात्रा में कमी आने से दिल्ली का यह इलाका अब अपने वजूद के लिए मशक्कत कर रहा है। कुछ लोग तो यहां तक भी कहेंगे कि पिछले दो असामान्य वर्षों ने इसकी उस खासियत को तकरीबन खत्म ही कर दिया है, जिसे इसके हजार से अधिक होटलों, ट्रैवल एजेंसियों, मुद्रा विनिमय बूथों और दुकानों तथा दुनिया भर के व्यंजन परोसने वाले रेस्तरां द्वारा परिभाषित किया जाता है। गाहे-बगाहे यात्रा प्रतिबंधों का कनौजिया के निजी जीवन पर भी दूरगामी असर पड़ा है। जल्द ही 28 साल के होने वाले कनौजिया शादी नहीं कर पा रहे हैं। वह कहते हैं %ये दो साल काफी ऊहापोह वाले रहे हैं। मैं अपनी आगे की कमाई के बारे में सुनिश्चित हुए बिना शादी नहीं कर सकता। दो दुकान छोड़कर होटल सपना, जिसे कुछ साल पहले लोनली प्लैनेट में दिखाया गया था, ने दो साल के दौरान विदेशी ग्राहक नहीं देखे हैं। इसके मालिक जसवंत सिंह कहते हैं, %पर्यटन कारोबार पूरी तरह से बंद हो गया है। पोलैंड, जापान और रूस से इतने सारे पर्यटक पहाडग़ंज आया करते थे। वह बताते हैं, यहां तक कि देश के विभिन्न हिस्सों से काम के लिए दिल्ली का सफर करने वाले छोटे कारोबारी भी यहां रुका करते थे। अगर उन्हें दो दिन का काम होता था, तो वे शहर देखने के लिए चार दिन रुकते थे।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।